सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

दुनिया में वही सत्य है... ।
जो बिना मूर्हत के होता है... ।
जैसे-जन्म, प्रेम और मृत्यु... ।
....अज्ञात

वर्ष-01 अंक-17 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, बुधवार 04 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

कीजिए चांद का दीदार

भिलाई। भिलाई निवासी इमरान अहमद अंसारी ने बीती रात अपने घर के छत से चंदा मामा की तस्वीर ली। चांद की खूबसूरती देखते बन रही है। इमरान फोटोग्राफी का शौक रखते हैं।

जारी है दुर्ग-राजनांदगांव में मुरूम का अवैध उत्खनन

शिकायतों के बाद भी माफिया बेखौफ, प्रशासन की भूमिका संदिग्ध, दिनदहाड़े दौड़ रही दर्जनों हाईवा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग- राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले के बिल्हरी में चल रहे अवैध मूरूम उत्खनन को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। खनिज विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को बार-बार अवगत कराए जाने के बावजूद न तो खनन रुका और न ही किसी बड़ी कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक की गई। इससे यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या अवैध उत्खनन को मौन सहमति मिली हुई है?

तय सीमा से ज्यादा उत्खनन

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार संबंधित क्षेत्रों में स्वीकृत मात्रा से कई गुना अधिक खनन, बिना वैध रॉयल्टी और परिवहन पास, रात के अंधेरे में भारी वाहनों की आवाजाही, जैसी गतिविधियां लगातार जारी हैं। यह न सिर्फ खनन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सरकार को लाखों रुपये के राजस्व नुकसान का संकेत भी देता है।

ग्रामीणों में आक्रोश

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन के कारण, खेतों और जलस्रोतों को नुकसान, सड़कों की हालत खराब, धूल और शोर से स्वास्थ्य समस्याएं, बढ़ रही हैं। कई बार विरोध करने पर डराने-धमकाने की शिकायतें भी सामने आई हैं।

जिलाधीश पर टिकी उम्मीद

तेज-तर्रार और सख़्त प्रशासनिक छवि वाले जिलाधीश जितेन्द्र यादव के सामने यह मामला एक बड़ी परीक्षा बन गया है। जिले की जनता को उम्मीद है कि खनन स्थलों का औचक निरीक्षण, खनिज अधिकारी से जवाबदेही, दोषी ठेकेदारों व संरक्षण देने वालों पर कार्रवाई जैसे कदम उठाकर वे स्थिति स्पष्ट करेंगे।

प्रशासनिक संरक्षण की आशंका

सबसे गंभीर सवाल यह है कि जब मामला उच्च स्तर तक पहुंच चुका है, तब भी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? विशेषज्ञों का मानना है कि बिना किसी संरक्षण के इतना संगठित अवैध उत्खनन संभव नहीं। प्रशासन की चुप्पी संदेह को और गहरा कर रही है।

क्या कहते हैं खनन नियम

राजनांदगांव जिले के समीपस्थ ग्राम बिल्हरी में सामने आए अवैध मूरूम उत्खनन के मामले में खनन नियमों का खुला उल्लंघन दिखाई दे रहा है। खनन से जुड़े नियम इस प्रकार स्पष्ट हैं- मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम के अनुसार बिना वैध खनन पट्टा या अनुमति के मूरूम उत्खनन पूर्णतः अवैध है। खनन से पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति एवं सीमांकन अनिवार्य है। MMDR अधिनियम, 1957 के तहत अवैध खनन पर वाहन, मशीन और खनिज जब्ती का प्रावधान है। दोषियों पर जुर्माना व कारावास दोनों हो सकते हैं। परिवहन नियमों के अनुसार खनिज परिवहन केवल वैध ट्रांजिट पास (TP) के साथ ही किया जा सकता है। बिना रॉयल्टी चुकाए परिवहन करना सीधा अपराध है।

नियमों का उल्लंघन

अनियंत्रित मूरूम उत्खनन से भूमि कटाव, जलस्रोतों को नुकसान और पर्यावरणीय असंतुलन होता है, जो पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत दंडनीय है। इसके बावजूद राजनांदगांव जिले के समीपस्थ ग्राम बिल्हरी में खुलेआम मूरूम उत्खनन और परिवहन की शिकायतें सामने आ रही हैं। सवाल यह है कि जब नियम इतने स्पष्ट हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं? किसके संरक्षण में यह अवैध उत्खनन चल रहा है?

साजा-धमधा से सटे गांव में मुरूम खनन का खेल

साजा-धमधा से लगे ग्रामीण इलाकों में इन दिनों अवैध मुरूम खनन का गोरखधंधा खुलेआम फल-फूल रहा है। नियमों को ताक पर रखकर बेखौफ तरीके से मूरूम की खुदाई कर बाजार में खपाई की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठे नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में एक दैनम माउंटेन जेसीबी और दो हाईवा की मदद से दिनदहाड़े खुलेआम मुरूम निकाला जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल बिना किसी रॉयल्टी पर्ची और वैध अनुमति के चल रहा है।

50 से ज्यादा गाड़ियां, करोड़ों के राजस्व का नुकसान

सूत्रों के मुताबिक, प्रतिदिन 50 से अधिक हाईवा मुरूम से लदी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ रही हैं। बिना रॉयल्टी और बिना वैधानिक दस्तावेजों के हो रहे इस खनन से शासन को लाखों-करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। परिवहन से जुड़े लोगों का दावा है कि पंचायत स्तर पर प्रस्ताव पारित किया गया है, लेकिन खनिज विभाग की अनुमति और रॉयल्टी भुगतान को लेकर स्थिति पूरी तरह अस्पष्ट बनी हुई है।

विभाग की चुप्पी पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में मशीनें और भारी वाहन रोजाना सड़कों पर दौड़ रहे हैं, फिर भी खनिज विभाग और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं है। क्या यह सब अधिकारियों की नजरों से दूर हो रहा है? या फिर सब कुछ उनकी जानकारी में चल रहा है? स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र में पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ सकता है और सड़कें भी भारी वाहनों के दबाव से क्षतिग्रस्त हो जाएंगी।

आक्रोश, कार्रवाई की मांग

अवैध खनन से परेशान ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोगों ने जिला प्रशासन और खनिज विभाग से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस पर रोक नहीं लगी, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

जेल से बाहर आएंगे कवासी लखमा, सुप्रीम कोर्ट से जमानत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शराब घोटाला केस में आरोपी पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने पूर्व मंत्री कवासी लखमा की जमानत याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने उनकी जमानत मंजूर कर ली। पूर्व मंत्री के अधिवक्ता फैसल रिजवी ने बताया कि पूर्व मंत्री लखमा को ईओडब्ल्यू-एसीबी और ईडी, दोनों के दर्ज मामले पर जमानत मिली है।

इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और अपना वर्तमान पता और मोबाइल नंबर संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। इस मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में करीब ढाई घंटे सुनवाई हुई। ED ने कवासी लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। ED ने रिमांड पर उनसे 7 दिन पूछताछ की थी। इसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। उसके बाद से ही कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं।

बता दें कि 2 महीने पहले कांग्रेस ने जेल

में बंद कवासी लखमा के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था। ED का आरोप है कि पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कवासी लखमा के इशारे पर छत्तीसगढ़ में FL-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई। ED का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

तीन साल से टीसी-अंकसूची के लिए भटक रही छात्रा, स्कूल पर मनमानी वसूली का आरोप

भ्रष्टाचार

कोरोना काल की बंद बस की फीस बताकर रोके दस्तावेज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नीरज पब्लिक स्कूल, बोरी की मनमानी कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। कक्षा 12वीं उत्तीर्ण छात्रा उन्नति कोटड़ियां, सुपुत्री दिलीप कोटड़ियां को सभी निर्धारित शैक्षणिक शुल्क पूर्ण रूप से जमा करने के बावजूद पिछले तीन वर्षों से स्थानांतरण प्रमाण पत्र (TC) एवं अंकसूची नहीं दी जा रही है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बिना किसी पूर्व सूचना, नोटिस या लिखित जानकारी के अब स्कूल प्रबंधन यह कहकर दस्तावेज देने से इनकार कर रहा है कि छोटे भाई की कोरोना काल की स्कूल बस फीस बकाया है। जबकि सर्वविदित है कि कोरोना महामारी के दौरान स्कूल पूर्णतः बंद थे और बस सेवा भी संचालित नहीं हुई।

भविष्य दांव पर

उन्नति कोटड़ियां ने प्रशासन को दिए आवेदन में स्पष्ट किया है कि स्थानांतरण प्रमाण पत्र और अंकसूची के अभाव में उनकी उच्च शिक्षा गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। इसके बावजूद स्कूल प्रबंधन न तो कोई लिखित आदेश दे रहा है और न ही कानूनी आधार प्रस्तुत कर पा रहा है। शिक्षा नियमों के अनुसार, शुल्क विवाद के नाम पर छात्रा के शैक्षणिक दस्तावेज रोकना अवैध है। एक छात्र के दस्तावेज को दूसरे छात्र की कथित बकाया राशि से जोड़ना नियमों का खुला उल्लंघन है। इसके बावजूद स्कूल द्वारा दबाव बनाकर मनमानी वसूली का प्रयास किया जा रहा है।

पीड़ित छात्रा ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप एवं उचित कार्यवाही की मांग की है, ताकि स्थानांतरण प्रमाण पत्र, अंकसूची तत्काल उपलब्ध कराई जा सके और भविष्य के साथ खिलवाड़ रोका जा सके।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या शिक्षा माफिया पर प्रशासन शिकंजा कसेगा? क्या छात्रा को उसका हक़ मिलेगा या मामला ठंडे बस्ते में जाएगा? अब देखना है। प्रशासन क्या कदम उठाता है।

मुर्दों का इलाज कर रहा सुपेला सिविल अस्पताल?

खुलासा

मृत व्यक्ति के नाम पर OPD पर्ची और मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने का बड़ा खुलासा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

भिलाई के सुपेला स्थित सिविल अस्पताल एक बार फिर विवादों के घेरे में है। अस्पताल के प्रभारी डॉ. पियम सिंह पर चंद पैसों के लालच में गंभीर भ्रष्टाचार और दस्तावेजों में हेराफेरी करने के संगीन आरोप लगे हैं। ताजा मामले में, एक ऐसे व्यक्ति के नाम पर ओपीडी (OPD) रिकॉर्ड और मेडिकल सर्टिफिकेट जारी किया गया है, जिसकी मृत्यु डेढ़ साल

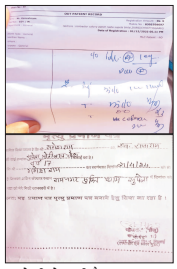

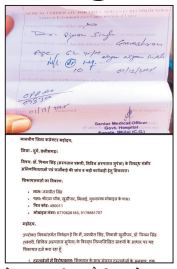

पहले ही हो चुकी है।

क्या है पूरा मामला?

शिकायतकर्ता आम आदमी पार्टी के नेता जसप्रीत सिंह ने जिला कलेक्टर, दुर्ग को सौंपे गए दस्तावेजों में खुलासा किया है कि 'गणेशराम' (निवासीः काट्टैक्टर कॉलोनी, सुपेला) नामक व्यक्ति की मृत्यु 21 अप्रैल 2024 को हो चुकी है, जिसका मृत्यु सूचना पत्र नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा जारी किया गया है। हैरानी की बात यह है कि इसी मृत व्यक्ति के नाम पर डॉ. पियम सिंह द्वारा दिसंबर 2025 में न केवल ओपीडी पर्ची (रजिस्ट्रेशन नंबरः 20250098300) काटी गई, बल्कि उसे 'मेडिकल सर्टिफिकेट' भी जारी कर दिया गया।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

आप नेता जसप्रीत सिंह का कहना है कि यह सीधे तौर पर एक बड़े सिंडिकेट और भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। सवाल यह उठता है किः जो व्यक्ति 2024 में मर चुका है, वह 2025 में अस्पताल में उपस्थित कैसे हुआ? बिना जांच और भौतिक सत्यापन के डॉक्टर ने मेडिकल सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर कैसे किए? क्या सरकारी रिकॉर्ड का दुरुपयोग कर किसी बड़े वित्तीय घोटाले या कानूनी हेराफेरी को अंजाम दिया जा रहा है?

कड़ी कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से मांग की है कि डॉ. पियम सिंह के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए और अस्पताल के पिछले एक साल के रिकॉर्ड की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो। आरोप है कि डॉक्टर के खिलाफ पूर्व में भी कई शिकायतें रही हैं, किंतु ठोस कार्रवाई न होने के कारण उनके हौसले बुलंद हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन इस "कागजी भूत" के खेल पर क्या एक्शन लेता है और दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजता है या नहीं।

उपलब्धि

ई-ऑफिस प्रक्रिया और बायोमेट्रिक उपस्थिति का पालन गंभीरता से कराएं अधिकारी - संभाग आयुक्त

ई-ऑफिस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग प्रदेश में अव्वल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग संभाग कार्यालय ई-ऑफिस के माध्यम से फाईल निपटाने में प्रदेश के अन्य संभाग कार्यालयों में अव्वल है। एक जनवरी से लागू इस प्रक्रिया में संभाग कार्यालय दुर्ग में शिकायत, स्थापना, लाइसेंस और राजस्व भू-आबंटन से संबंधित 919 आवेदनों का ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया है। जबकि सरगुजा कार्यालय द्वारा 828, बस्तर द्वारा 641, बिलासपुर द्वारा 142 एवं संभाग कार्यालय रायपुर द्वारा 79 आवेदन ई-ऑफिस के माध्यम से पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दुर्ग जिला ई-ऑफिस काउंट में 8,100

प्रकरण के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर है।

संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर ने संभागीय कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में संभाग स्तरीय अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में उक्त जानकारी देते हुए सभी संभाग स्तरीय कार्यालयों में भी ई-ऑफिस के माध्यम से आवेदन पंजीबद्ध करने पर जोर दिया। संभाग आयुक्त श्री राठौर ने कहा कि ई-ऑफिस के क्रियान्वयन एक प्रशासनिक प्रक्रिया है। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना, फाईलों के निपटान में तेजी लाना और पेपरलेस गवर्नेंस को बढ़ावा देना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं है बल्कि कार्य संस्कृति में बदलाव है। सभी विभाग प्रमुख सुनिश्चित करें कि उनके अधीनस्थ कर्मचारियों प्रतिदिन लॉग-इन करें और ई-फाईलों का निपटान प्राथमिकता के आधार पर करें।

संभाग आयुक्त श्री राठौर ने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए अवगत कराया कि सभी शासकीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति जरूरी है। अधिकारी-कर्मचारी निर्धारित समयानुसार कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करें। उक्त ऑनलाईन उपस्थिति-अनुपस्थिति प्रक्रिया के आधार पर शासन स्तर पर एक्सन लिया जा सकता है। संभागायुक्त ने ग्राम पंचायतवार गठित सहकारी समिति, प्राथमिक एवं माध्यमिक परीक्षा के पुख्ता प्रबंध, सड़कों की मरम्मत, रबि फसल अंतर्गत दहलन-तिलहन का रकबा बढ़ाने, मिलेट्स योजना एवं गन्ना की पैदावारी हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में उपायुक्त (राजस्व) पदुमलाल यादव, उपायुक्त (विकास) संतोष ठाकुर सहित समस्त विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सेल ने जनवरी में दर्ज किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

भारत की अग्रणी स्टील उत्पादक और 'महारत्न' सार्वजनिक उपक्रम, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने सफलता की नई ऊंचाइयों को छुआ है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से जनवरी की अवधि के दौरान कुल बिक्री में 16% की वृद्धि दर्ज की है। इस अवधि में 16.6 मिलियन टन की बिक्री हुई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि (CPLY) में यह आंकड़ा 14.3 मिलियन टन था। यह कंपनी द्वारा दर्ज की गई अब तक की सबसे अधिक संचयी (cumulative) बिक्री है।

सेल ने जनवरी 2026 में भी अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ जनवरी बिक्री दर्ज की, जो 1.84 मिलियन टन रही। यह पिछले वर्ष के इसी महीने के 1.68 मिलियन टन के मुकाबले 10% से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। इस दौरान इन्वेंट्री में

0.25 मिलियन टन की कमी और उधार (borrowings) में पर्याप्त कटौती देखने को मिली। इस अवधियों के दौरान, कई मानकों रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन देखा गया, जिनमें बिक्री, डिस्पैच, कैश कलेक्शन और ग्राहकों तक सीधी डिलीवरी (door-to-door delivery) शामिल है। इस दौरान कंपनी ने निम्नलिखित उपलब्धियां हासिल कीं:

डोर-डिलीवरी वॉल्यूम में विस्तार और वेयरहाउस बिक्री में वृद्धि। लॉजिस्टिक्स दक्षता और ग्राहकों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए बाजार में पैठ मजबूत करना। मार्केटिंग वर्टिकल की पहलों से प्रेरित, ये उपलब्धियां, ऑपरेशन्स उत्कृष्टता के साथ ग्राहक-केंद्रित रणनीतियों को जोड़ने की सेल की क्षमता को उजागर करती हैं। सेल पिछले रिकॉर्ड्स को लगातार पीछे छोड़ते हुए और व्यावसायिक लक्ष्यों को हासिल करते हुए, भारत की विकास गाथा में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहा है।

ड्यूटी के दौरान निधन हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों को मिला बीमा राशि

"पुलिस विभाग केवल सेवा संस्था नहीं, बल्कि एक परिवार है–वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन होने पर जिले में पदस्थ स्वर्गीय प्रधान आरक्षक दिलीप ठाकुर की पत्नी सरस्वती सिंह ठाकुर एवं जीआरपी थाने में पदस्थ स्वर्गीय राम सिंह लकड़ा की पत्नी किरण लकड़ा को पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत 10-10 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया।

यह सहायता राशि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह एवं एसबीआई शाखा पुसौर के प्रबंधक द्वारा सौंपते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सोनी ने दोनों परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि प्राप्त धनराशि का सदुपयोग करें और किसी भी प्रकार के प्रलोभन से बचें। उन्होंने विशेष रूप से आगाह किया कि बड़ी राशि मिलने पर कई बार लोग रुपए दोगुना करने का लालच देकर फर्जी निवेश योजनाओं में फंसा देते हैं, जिससे परिवार आर्थिक धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। बैंक प्रबंधन ने भी बताया कि ऐसे समय में फेक कॉल और झूठे निवेश प्रस्ताव आम हो

जाते हैं, अतः सतकर्ता बेहद जरूरी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने शोकाकुल परिजनों से संवाद करते हुए कहा कि "पुलिस विभाग केवल सेवा संस्था नहीं, बल्कि एक परिवार है और इस कठिन घड़ी में पुलिस परिवार हर स्तर पर उनके साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर विभाग द्वारा पूरा सहयोग दिया जाएगा।" एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जिले के सभी पुलिसकर्मियों का पुलिस सैलरी पैकेज कराया गया है, जिसके अंतर्गत आकस्मिक दुर्घटना या निधन की स्थिति में एक करोड़ रुपये तक की बीमा राशि का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि "पुलिस की ड्यूटी अत्यंत जोखिमपूर्ण होती है, ऐसे में यह बीमा सुरक्षा परिवार के लिए एक मजबूत सहारा बनती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी वे आत्मबल के साथ आगे बढ़ सकें और अपने जीवन को नई दिशा दे सकें।"डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सतत प्रयासों तथा एसबीआई प्रबंधन द्वारा समय पर दायित्वों के निर्वहन के लिए बैंक प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

खास खबर

संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा ट्विंकल ने तीरंदाजी में जीता रजत पदक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव स्थित संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा ट्विंकल ने तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय तथा जिले का नाम गौरवान्वित किया है। 31 जनवरी 2026 को आयोजित एक दिवसीय ओपन सिटी एनटीपीसी खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता में ट्विंकल ने 10 मीटर इंडियन राउंड (गर्ल्स कैटेगरी) में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया।

यह प्रतियोगिता पूर्णतः ओपन सिटी स्तर की थी, जिसमें छत्तीसगढ़ के 10 विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच ट्विंकल ने सटीक निशानेबाजी और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए यह उपलब्ध्धि हासिल की। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रेखा तिवारी ने छात्रा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्ध्धि विद्यालय में संचालित निःशुल्क तीरंदाजी प्रशिक्षण कार्यक्रम की सकारात्मक दिशा को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक खेल संसाधनों और प्रशिक्षित कोचों के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका परिणाम इतने कम समय में सामने आना गर्व का विषय है।

विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि यह निःशुल्क तीरंदाजी प्रशिक्षण कार्यक्रम किसी एक विद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ के किसी भी स्कूल के छात्र-छात्राए बिना किसी शुल्क के, इसमें भाग ले सकते हैं। विद्यालय परिवार द्वारा ट्विंकल को सम्मानित किया गया तथा अन्य विद्यार्थियों को भी खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया गया। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी समान महत्व देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

रायपुर से भिलाई-दुर्ग के बीच ट्रैफिक होगा फास्ट, जाम से मिलेगी मुक्ति

रायपुर। राजधानी रायपुर और ट्विन सिटी भिलाई-दुर्ग के बीच निर्बाध आवागमन एवं फास्ट ट्रैफिक के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर सिरसा गेट चौक तथा खुर्सीपार गेट चौक पर ग्रेड सेपरेटर बनाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव की पहल पर केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए 77 करोड़ 36 लाख रुपए मंजूर किए हैं। भारत सरकार द्वारा राज्य शासन के प्रस्ताव के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक काययोजना के तहत इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई है।

रायपुर और दुर्ग के बीच सिरसा गेट एवं खुर्सीपार चौक पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण से दोनों ओर आने-जाने वाले वाहनों को कहीं भी रूकना नहीं पड़ेगा। दोनों शहरों के बीच कुम्हारी चौक, डबरा पारा, पॉवर हाउस चौक और सुपेला चौक पर पहले ही फ्लाईओवर्स के निर्माण किए जा चुके हैं। सिरसा गेट तथा खुर्सीपार चौक पर भी इसके निर्माण की मांग लोग लगातार कर रहे थे। जनआकांक्षाओं को देखते हुए तथा दोनों शहरों के बीच निर्बाध व फास्ट ट्रैफिक के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के समन्वित पहल से इन दोनों जगहों पर ग्रेड सेपरेटर के निर्माण की मंजूरी मिली है। यह सड़क रायपुर-भिलाई-दुर्ग औद्योगिक क्षेत्र के लिए भी काफी महत्व रखती है। अब दोनों शहरों के बीच के सभी चौकों पर फ्लाईओवर्स एवं ग्रेड सेपरेटर्स के निर्माण से इस सड़क से गुजरने वाले यात्रियों के साथ ही यहां संचालित उद्योगों को भी काफी राहत मिलेगी।

बालसमुंद जलाशय में आद्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बारनवापारा अभ्यारण्य में 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आद्रभूमियाँ अविश्वसनीय जैव विविधता का घर हैं और पृथ्वी पर सबसे समृद्ध और विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं। ये कई लुप्तप्रायए संकटग्रस्त और स्थानिक प्रजातियों को आश्रय देती हैं जो केवल कुछ निश्चित आद्रभूमि आवासों में ही जीवित रह सकती हैं। विश्व आद्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर 2 फरवरी को बालसमुंद जलाशय, पलारी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बलौदाबाजार द्वारा आद्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम सह-कायर्शाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर, बालसमुंद जलाशय क्षेत्र में संपन्न हुआ।

इस विशेष आयोजन का उद्देश्य पृथ्वी के लिए आद्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि ये पारिस्थितिकी तंत्र जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इस आयोजन में लगभग 60 प्रतिभागियों, 5 विशेषज्ञों तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 49 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आद्रभूमियों के पारिस्थितिक महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पक्षी अवलोकन एवं आद्रभूमि अध्ययन की व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं द्वारा जलाशय से जल नमूने एकत्रित किए गए तथा बारनवापारा अभ्यारण्य के फॉरेस्ट गाइड्स के सहयोग से 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई। प्रतिभागियों को तालाब में पाए जाने वाले जलीय जीव-जंतुओं, जल गुणवत्ता तथा आसपास के पारिस्थितिक तंत्र की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में नगर पंचायत पलारी के अध्यक्ष गोपी साहू, उपाध्यक्ष पिंटू वर्मा, हितेंद्र ठाकुर एवं शोधार्थी दीपक तिवारी रहे। इसके अतिरिक्त डिप्टी रेंजर धर्म सिंह बरिहा, बीट प्रभारी मनबोधन टंडन, आबिद अली खान, रामनारायण यादव सहित वन विभाग के अधिकारी एवं कमर्चारीगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बालसमुंद जलाशय स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में बताया कि आद्रभूमियाँ न केवल पक्षियों एवं जलीय जीवों का प्राकृतिक आवास हैं, बल्कि ये भूजल पुनर्भरण, बाढ़ नियंत्रण, जल शुद्धिकरण, स्थानीय जलवायु संतुलन एवं आजीविका समर्थन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बालसमुंद जलाशय जैसे जलस्त्रोत क्षेत्रीय स्तर पर स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में वनमंडलाधिकारी, धम्मशील गणवीर के मार्गदर्शन में जिले की आद्रभूमियों को अधिसूचित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप-विभागीय अधिकारी (वन) निश्चल चंद शुक्ला, वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रखर नायक, एवं कार्यक्रम संयोजक सहायक प्राध्यापक प्रो. अजय मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राज्यपाल से ढोकरा शिल्प कलाकारों ने की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सारंगढ़ जिले के जनजातीय बाहुल्य ग्राम बैगनडीह (सालर) के राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित जनजाति समुदाय के ढोकरा-बेलमेटल शिल्पकारों ने आज राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कलाकारों ने पारंपरिक ढोकरा शिल्प कला से निर्मित बेल मेटल की आकर्षक मूर्ति राज्यपाल को भेंट की।

राज्यपाल ने शिल्पकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ढोकरा शिल्प जैसी पारंपरिक जनजातीय कलाएं भारत की सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कलाकारों की सृजनात्मक क्षमता और समर्पण की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि ऐसे प्रतिभावान शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने और उनकी कला को

आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि ग्राम बैगनडीह (सालर) के ढोकरा शिल्पी मीन केतन बघेल को वर्ष 2018 में तथा उनकी धर्मपत्नी हीराबाई बघेल को वर्ष 2023 में उनके उत्कृष्ट ढोकरा-बेलमेटल शिल्प कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दोनों कलाकारों ने ढोकरा (बेलमेटल) शिल्पकला की विशिष्ट पहचान स्थापित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। सौजन्य भेंट के दौरान पूर्व विधायक केराबाई मनहर सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

बृजमोहन के प्रयास रंग लाए, नवा रायपुर में खुला छत्तीसगढ़ का पहला अंतरिक्ष केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ के पहले अंतरिक्ष केंद्र के शुभारंभ को प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह केंद्र छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपनों को नया आकाश देने वाला मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने इसे राज्य को भविष्य का स्पेस टेक्नोलॉजी हब बनाने की दिशा में मजबूत और दूरदर्शी कदम बताया। अग्रवाल ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की ठोस नींव है। इस अंतरिक्ष केंद्र के माध्यम से राज्य के छात्र और युवा वैज्ञानिक स्पेस रिसर्च, नवाचार, सिम्युलेशन और अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त करेंगे, जिससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकेंगे।

अग्रवाल ने कहा कि आज नवा रायपुर में इस सपने का साकार होना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच, विज्ञान एवं नवाचार को बढ़ावा देने वाली नीतियों और राज्य के समग्र विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। इसके लिए उन्होंने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह अंतरिक्ष केंद्र नई पीढ़ी की उड़ान की शुरुआत है, जो छत्तीसगढ़ को अंतरिक्ष विज्ञान के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा और राज्य के युवाओं के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खोलेगा। अब छत्तीसगढ़ के युवा भी इसरो, नासा सहित वैश्विक मंचों पर राज्य का नाम रोशन करेंगे।

अगस्त 2025 में आंध्र प्रदेश प्रवास के दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र का भ्रमण किया था, जहां से उन्हें छत्तीसगढ़ में भी ऐसी ही अत्याधुनिक सुविधा स्थापित करने की प्रेरणा मिली थी। इसी क्रम में 8 सितंबर 2025 को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन जी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में रायपुर में स्पेस लैब एवं सिम्युलेटर स्थापित करने का आग्रह किया था। साथ ही लोकसभा में नियम 377 के तहत इस महत्वपूर्ण विषय को उठाकर केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। जिसके बाद 18 नवंबर 2025 को अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल को पत्र के माध्यम से रायपुर में सिम्युलेटर सहित एक अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान करने की जानकारी दी थी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने द स्टोरी ऑफ किंग भोरमदेव 'राजा भोरमदेव की कहानी' पुस्तक का किया विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विधायक कार्यालय कवर्धा में द स्टोरी ऑफ किंग भोरमदेव 'राजा भोरमदेव की कहानी' पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक के रचनाकार रामप्रसाद बघेल को उप मुख्यमंत्री ने बधाई तथा आगे के सफल साहित्यिक कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री शर्मा ने कहा कि यह पुस्तक जिलेवासियों के लिए गर्व का विषय है तथा इससे हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं को नयी पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। यह कहानी अंतर्राष्ट्रीय स्तर का है इस पुस्तक के प्रकाशन से भोरमदेव की ख्याति को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पुस्तक न केवल राजा भोरमदेव के जीवन और काल की महिमा को उजागर करता है, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और चेतना के बीच संतुलन की गूढ़ दार्शनिकता को भी बखूबी प्रस्तुत करता है। उन्होंने आग्रह किया कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और इसके संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करें।

लेखक रामप्रसाद बघेल ने बताया कि 'राजा भोरमदेव की कहानी' की शुरुआत एक प्राचीन और रहस्यमयी युग से होती है, जब पृथ्वी पर आकाश से गिरा एक विशाल धूमकेतु ने न केवल प्राकृतिक संतुलन को बाधित किया,

बल्कि अंधकार से ऊर्जा प्राप्त करने वाले ड्रैगन जैसे घातक प्राणियों का आगमन भी किया। ये प्राणी अंधकार में और अधिक शक्तिशाली होते गए तथा धीरे-धीरे संपूर्ण पृथ्वी को एक भयावह अनंत संध्या की ओर ले जाने लगे, जहाँ मानव, पशु और प्रकृति कोई भी सुरक्षित नहीं रहा।

कथा का प्रमुख नायक कुरुगुरु भद्रदेव बैगा है, जो विज्ञान, अध्यात्म एवं प्रकृति के संतुलन को समझता है। विद्वानों के नेतृत्व में यह खोज की जाती है कि ड्रैगनों के माथे पर चमकता नीला चिह्न कोई सजावट नहीं, बल्कि अंधकार से ऊर्जा खींचने वाला यंत्र है, और जैसे-जैसे अंधकार बढ़ता है, वे और अधिक अजेय बनते जाते हैं।

कहानी में एक प्राचीन राजवंश के शासक राजा परसमनिधर देव तथा रानी नागमती की गहन तपस्या और दिव्य-वैज्ञानिक शक्तियों का विवरण भी मिलता है। राजा के पास पारस रत्न है, जो सूर्य की ऊर्जा से पदार्थ और जीवन को रूपांतरित करने की क्षमता रखता है, जबकि रानी नागमती के पास नागमणि यंत्र है, जो किसी भी पदार्थ को नष्ट करने अथवा विष को निष्प्रभावी बनाने की शक्ति रखता है। कहानी केवल युद्ध और संघर्ष की नहीं है, बल्कि प्रेम, नियति एवं चेतना की भी है। झील के तट पर बिना शब्दों के केवल दृष्टियों और अनुभूतियों से राजा और रानी का प्रेम जन्म लेता है। उनका विवाह दो शक्तिशाली वंशों का नहीं, बल्कि विज्ञान, प्रकृति और चेतना के मिलन का प्रतीक बनता है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद श्रीवास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे, प्रवीण शर्मा, जसबीर सालुजा, शैलेन्द्र उपाध्याय सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुला लंगूरवीर मंदिर का गभर्गृह

दुर्ग। दुर्ग जिले के अति प्राचीन भगवान लंगूरवीर मंदिर के वार्षिक महोत्सव और मंडई मेला में श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे और धार्मिक कार्यक्रमों में पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ शामिल होकर मंडई मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भरपूर आनंद लिया। भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर पब्लिक ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह वार्षिक महोत्सव कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। इस दिन से मंदिर में भगवान लंगूरवीर के दर्शन के लिए गभर्गृह खोल दिए गए है। अब आम श्रद्धालु भी गभर्गृह में प्रवेश कर भगवान लंगूरवीर के दर्शन कर सकेगा, वहीं लंगूरवीर की आरती (गीत) रिलीज और कलयुग का महामंत्र रामलेखन महायज्ञ की शुरुआत की गई।

इस दौरान अतिथियों के साथ भगवान लंगूरवीर की आरती (गीत) को स्वर देने वाले प्रसिद्ध गायक कांतिकार्तिक यादव द्वारा आरती (गीत) रिलीज किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में लोक कलाकार जितेंद्र साहू कृत सोनहा बादर, प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी, भजन गायक लीलाधर चतुर्वेदी सूरदास, प्रसिद्ध गायक नीलकमल वैष्णव, भजन गायक खिलेश यादव, प्रसिद्ध बांसुरी वादक ओपी देवांगन ने अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। गीत-संगीत में श्रद्धालुओं ने नाच-गाकर अपनी श्रद्धा भक्ति प्रकट की।

भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर का वार्षिक महोत्सव और दुर्ग मंडई मेला की शुरुआत सुबह 7 बजे भगवान श्री लंगूरवीर के महाअभिषेक और पूजा अर्चना के साथ हुई। पूजा अर्चना की यह प्रक्रिया मंदिर के पंडित खेमंत प्रसाद तिवारी (राजू महाराज) के सानिध्य में पूरी की गई। इसके अलावा सुबह से लेकर शाम तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मंडई मेला में श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए खाद्य सामग्रियां, खिलौने व अन्य सामग्रियों के स्टाल आकर्षण का केन्द्र रहे। रोमांचकारी झूलों का बच्चों ने जमकर आनंद उठाया। मंचीय कार्यक्रम का संचालन भगवान श्री लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार दुर्ग पब्लिक ट्रस्ट के अध्यक्ष मानव सोनकर और आभार प्रदर्शन सचिव रविशंकर ढीमर ने किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के दीपप्रकाश गुप्ता, आनंददेव ताम्रकार, आशीष शर्मा, राहूल सोनकर, सूरज सोनकर, शिखर गुप्ता, लक्की सार्वा, नानकराव सोनकर, नरेन्द्र सोनकर के अलावा हजारों की संख्या में श्रद्धालू मौजूद थे।

एएनएम प्रशिक्षण की अनुमति कई जिलों को मिली

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेश के आठ जिलों में नर्सिंग कौशल कॉलेजों में एएनएम (ANM) प्रशिक्षण को अनुमति प्रदान किए जाने के निर्णय में राजनांदगांव को शामिल किया जाना जिले के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। यह निर्णय विशेष रूप से यहां के युवाओं के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों का द्वार खोलने वाला साबित होगा। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर राजनांदगांव के विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजनांदगांव जैसे शिक्षात्मक और सामाजिक दृष्टि से अग्रणी जिले में ए.एन.एम. (अठट) नर्सिंग कौशल कॉलेज को अनुमति मिलना क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता की पूर्ति है।

बच्चे न केवल शिक्षा में बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं – विधायक चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

ग्राम नागपुर स्थित पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नगपुरा में आयोजित वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए। कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहाँ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

इस अवसर पर शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन एवं निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए सभी बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य, सफलता एवं निरंतर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं।

अपने संबोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा आज मैं यहाँ अपने क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों के बीच उपस्थित होकर अत्यंत प्रसन्न हूँ। यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारे क्षेत्र के बच्चे न केवल शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ और उन्हें निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करता हूँ।

हमारी विष्णुदेव साय सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास कर रही है ताकि हमारे बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके और वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें। हमारा उद्देश्य है कि हर बच्चा शिक्षित हो और अपने पैरों पर खड़ा हो सके। मैं सभी शिक्षकों और अभिभावकों को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने बच्चों को यहाँ तक पहुँचाने में अपना योगदान दिया है।

आगे श्री चंद्राकर ने कहा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र है – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार पिछले 22 महीनों से सभी वर्गों के कल्याण के लिए सतत रूप से कार्य कर रही है। हमने अन्नदाताओं के हित में कृषक उन्नति योजना, पक्का मकान देने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना, माताओं और बहनों को सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना, तथा दूरस्थ अंचलों के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसे कदम उठाए हैं।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन ने कहा मैं इस वार्षिक उत्सव समारोह में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देती हूँ। यह देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारे क्षेत्र के बच्चे इतनी प्रतिभा और उत्साह के साथ अपनी शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। मैं सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ और उन्हें निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करती हूँ।मैं अपने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील करती हूँ कि वे अपने बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाएं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। मैं विश्वास करती हूँ कि हमारे बच्चे अपने क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे और देश के विकास में अपना योगदान देंगे।"

शाला की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी प्राचार्य ने दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन निशा मेहरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, गिरेश साहू जिला मंत्री, गायत्री पुरुषोत्तम साहू सरपंच, दमोदा, चेतन साहू महामंत्री, अंजोरा मंडल, रंजीत कुमार अध्यक्ष, एस.एम.डी.सी. वरेन्द्र निषाद उपसरपंच, शिव देवांगन विधायक प्रतिनिधि कुलेश्वरी देवांगन अध्यक्ष, ओंकार देवांगन खिलेन्द्र साहू सुनीता मूर्ति जल प्राचार्य, बसंत यादव जी प्रभारी प्राचार्य, रोमन देशमुख प्रधान पाठक, अशोक देशमुख शिक्षक, ऋषि सिन्हा संजय देशमुख सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महापौर चौबे ने गर्मी में पेयजल आपूर्ति की तैयारी को लेकर पार्षदों की ली बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम जल कार्य विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू और नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष साधना प्रमोद साहू ने नगर निगम जोन 3 अध्यक्ष कार्यालय में पार्षद प्रदीप वर्मा, कैलाश बेहरा, पुष्पा रोहित साहू, राजेश गुप्ता सहित जोन 3 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह, कार्यपालन अभियंता ईश्वर लाल टावरे, सहायक अभियंता नरेश साहू, उप अभियंता सत्यप्रकाश की उपस्थिति में बैठक लेकर नगर निगम जोन 3 के वार्डों में गर्मी में नागरिकों को सुगम पेयजल आपूर्ति की तैयारी को लेकर आवश्यक बैठक ली।

नगर निगम जल विभाग अध्यक्ष संतोष सीमा साहू और नगर निगम जोन 3 जोन अध्यक्ष साधना प्रमोद साहू ने बैठक में जोन 3 के वार्ड पाषर्दों की अनुशंसा पर वार्डों में व्यवहारिक आवश्यकतानुसार बोर खनन कार्य तत्काल करवाने और पार्षदों के सुझावों पर वार्डों के पेयजल संकट से ग्रस्त क्षेत्रों में गर्मी में रहवासियों को व्यवहारिक आवश्यकतानुसार पेयजल टैंकर भेजकर नियमित पेयजल आपूर्ति स्थान चिन्हाँकन करवाकर कार्य करने जोन 3 जोन कमिश्नर और कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता को निर्देशित किया।

10 से शुरू होगा श्री रुख्खड़ स्वामी महोत्सव–महामृत्युंजय यज्ञ, महाशिवरात्रि पूजा और मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

श्री रुख्खड़ स्वामी मंदिर परिसर में आगामी मंगलवार 10 फरवरी से सोमवार 16 फरवरी 2026 तक सात दिवसीय श्री रुख्खड़ स्वामी महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं जन-जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में ट्रस्ट के अध्यक्ष रामकुमार सिंह ने श्री रुख्खड़ स्वामी मंदिर के ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मंदिर तपस्वी संत श्री रुख्खड़नाथ स्वामी जी की तपोभूमि रही है और वर्षों से आस्था, साधना और सेवा का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। अध्यक्ष ने यह भी बताया कि मंदिर से जुड़ी अनेक चमत्कारिक घटनाएं प्रचलित हैं। इसी कड़ी में उन्होंने बिलासपुर से आए एक भक्त के साथ घटित चमत्कारिक घटना का उल्लेख किया, जिसके बाद श्रद्धालुओं की आस्था और अधिक प्रबल हुई है।

पत्रकार वार्ता में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष भागवत शरण सिंह ने संपूर्ण महोत्सव कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि महोत्सव के दौरान महामृत्युंजय यज्ञ, दिव्य महारुद्राभिषेक, श्री हनुमंत महाअभिषेक, नाम संकीर्तन, भजन संध्या, गीता सार प्रवचन, धर्म ध्वज वाहक सम्मान सहित कई धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन संपन्न होंगे।

उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर रात्रिकालीन प्रहर पूजा एवं अखंड अभिषेक का आयोजन किया जाएगा, जबकि 16 फरवरी को यज्ञ पूर्णाहुति के साथ विशाल भोग, प्रसादी वितरण एवं सामाजिक सरोकार से जुड़ा मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा।

महोत्सव के दौरान कलश यात्रा, विशाल बाइक रैली, नगर भ्रमण करती भव्य शोभायात्रा, धार्मिक झांकियां एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित होंगी, जो आयोजन को और भव्य स्वरूप प्रदान करेंगी।

पत्रकार वार्ता में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष लाल सागर सिंह, महंत प्रमोद गिरी गोस्वामी, सहयोगी गण श्रेयांश सिंह, उत्तम दशरिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, सामाजिक संगठनों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म, साधना, सेवा एवं जन-जागररण के इस महोत्सव को सफल बनाएं।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में नि :शुल्क कैंसर जांच

उपाध्यक्ष भागवत शरण सिंह ने विशेष रूप से जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार 16 फरवरी 2026 को आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आम नागरिकों की नि :शुल्क स्वास्थ्य जांच की जाएगी। शिविर में विशेष रूप से कैंसर की प्रारंभिक जांच नि :शुल्क की जाएगी, जिससे ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों को समय रहते स्वास्थ्य परामर्श मिल सकेगा।

एनएचएआई की पहल : 1500 स्कूली बच्चों की हुई नेत्र जांच

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और नेशनल हाईवे इन्फ्रा ट्रस्ट (एनएचआईटी) की संयुक्त पहल से रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना मार्ग पर स्थित विद्यालयों में नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत कुल 1498 छात्र-छात्राओं की आंखों की जांच की गई।

रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित तरपोंगी, भोजपुरी एवं मुढ़ीपार टोल प्लाजा के समीप संचालित शासकीय विद्यालयों में ये शिविर लगाए गए थे, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने बच्चों की दृष्टि का बारीकी से परीक्षण किया। जांच के दौरान 102 विद्यार्थियों में दृष्टि दोष पाया गया, जिन्हें जल्दी ही निःशुल्क चश्मे प्रदान किए जाएंगे।

रायपुर परियोजना निदेशक दिग्विजय सिंह ने कहा कि एनएचएआई राजमार्गों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास निवास करने वाले समुदायों के सामाजिक और स्वास्थ्य कल्याण के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इन्हीं प्रतिबद्धताओं के चलते स्कूलों में नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया गया है।

विधायक भावना बोहरा ने किया गैस एजेंसी का निरीक्षण, लापरवाही पर भड़कीं

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ठाठापुर (रामपुर) स्थित गैस एजेंसी में लंबे समय से मिल रही अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक भावना बोहरा सोमवार को औचक निरीक्षण पर पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों की समस्याएं सामने आने पर विधायक ने एजेंसी कमर्चारियों को कड़ी फटकार लगाई और मौके से ही संबंधित अधिकारियों को फोन कर तीन कमर्चारियों को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए।

रामपुर क्षेत्र में संचालित गैस एजेंसी को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार शिकायत की जा रही थी कि समय पर गैस रिफिलिंग नहीं की जा रही है। वहीं, शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत नए गैस कनेक्शन देने के नाम पर हितग्राहियों से अवैध रूप से अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है। सोमवार को विधायक भावना बोहरा शासकीय कार्यक्रम में शामिल होने रामपुर पहुंची थीं, इसी दौरान ग्रामीणों ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक अपनी टीम के साथ सीधे गैस एजेंसी पहुंचीं, जहां बड़ी संख्या में लोग लाइन में खड़े मिले। मौके पर हितग्राहियों ने विधायक को बताया कि गैस रिफिलिंग में अनावश्यक देरी की जाती है और उज्ज्वला योजना के लाभ से वंचित किया जा रहा है। साथ ही कनेक्शन देने के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है।

इन शिकायतों पर विधायक भावना बोहरा नाराज हो गईं और कमर्चारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि आम जनता के साथ किसी भी प्रकार की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दोषी कमर्चारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और हितग्राहियों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के समय पर गैस रिफिलिंग और नए कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं। विधायक ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे स्वयं आगे की कार्रवाई करेंगी।

सामाजिक आयोजन | मंत्री यादव समाज के विकास के लिए की कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ

समाज का सशक्तिकरण तभी संभव है जब शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता को प्राथमिकता दी जाए- मंत्री यादव

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न सामाजिक सम्मेलनों एवं आयोजनों में केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने समाजजनों से संवाद करते हुए समाज के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक एकता, संस्कार और बेटियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि समाज का सशक्तिकरण तभी संभव है जब शिक्षा, संस्कार और सामाजिक सहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने उपस्थितजनों से बेटियों को उच्च शिक्षा दिलाने और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील किये।

रविवार को कार्यक्रमों के दौरान विभिन्न समाजों द्वारा सामाजिक भवनों एवं सुविधाओं के विस्तार की मांग रखी गई। बोरसी में आयोजित परमेश्वरी जयंती कार्यक्रम में मंत्री श्री यादव ने देवांगन समाज के भवन में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया तथा सामाजिक आयोजनों को सुविधाजनक बनाने हेतु भवन में डोम शेड निर्माण की घोषणा की, जिससे धूप और बारिश में कार्यक्रमों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। रविवार को संत रविदास जयंती के अवसर पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने उनके अनुयायियों के सामाजिक भवन में 15 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण हेतु भूमिपूजन किया। इसी क्रम में आज पोटियाकला में आयोजित सामाजिक महोत्सव में मंत्री श्री यादव ने निषाद समाज एवं केंवट समाज के सामाजिक भवन के लिए 50-50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा किये। शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार सभी समाजों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में बीते दो वर्षों में विभिन्न समाजों द्वारा रखी गई अधिकांश मांगों के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है। कई कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा शेष कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में भी समाजों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

महापौर बाघमार ने एमआईसी सदस्यों सहित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नियुक्त होने पर नितिन नबीन जी से नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने दिल्ली में सौजन्य मुलाकात कर उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार के साथ मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) के सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शशि साहू तथा पार्षद अजित वैध भी उपस्थित रहे। नगर पालिक निगम दुर्ग की ओर से नितिन नबीन जी को सम्मान स्वरूप सौजन्य भेंट प्रदान कर शुभकामनाएं व्यक्त की गईं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी तथा देशभर में जनसेवा और विकास के कार्यों को और अधिक गति प्राप्त होगी। मुलाकात के दौरान संगठनात्मक सुदृढ़ता, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सार्थक चर्चा हुई। नगर निगम दुर्ग की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष को उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभेच्छाएं प्रेषित की गईं।

संपादकीय

जिसका पहले विरोध वही बाद में सही कैसे

राजनीति में कई बार ऐसा होता है और चर्चा का विषय बन जाता है जब आप सत्ता में नहीं होते हैं और जिस काम का विरोध करते हैं, वही सत्ता में आने के बाद आप वही करते हैं जिसे कभी आपने खुद गलत मानकर विरोध किया था ऐसे में लोग तो सवाल करेंगे ही कि पहले जो आपके लिए गलत था, उसी को आज सही कैसे मान रहे हैं और वैसा काम क्यों कर रहे हैं। सीधी सी बात है कि जो काम पहले गलत था, वह आज भी गलत है, जो काम पहले आपके लिए गलत था वह आज सही कैसे हो सकता है, क्या इसलिए सही हो सकता है कि आज आप सत्ता में है और आप फैसला कर सकते हैं। ऐसे काम का विरोध तो होगा ही और गलत है तो उसे वापस लेना पड़ेगा ही। रायपुर की महापौर को अपने फैसले से पीछे हटना इसीलिए पड़ा है क्योंकि वह पहले जिस गलत बता रही थी, उसे आज वह सही मान रही थी। कांग्रेस के विरोध के चलते उनको मानना पड़ा कि वह गलत कर रही है।

यह तो शहर के सारे लोगों को याद है कि तेलीबांधा तालाब के किनारे गाडियां खड़ी करने पर पार्किंग ठेका का जब 21-22 में दिया गया था तो भाजपा पार्षदों ने विरोध कर इसे रद्द कराया था। उसी जगह पर पार्किंग शुल्क वसूलने के लिए बिना किसी ठेके के दरें तय करने तख्तियां टांग दी गईं।सबसे पहले तो निगम के इस फरमान का घूमने आने वालों ने विरोध किया।इस विरोध के चलते महापौर ने शनिवार को सुबह तेलीबांधा किनारे का दौरा करके यहां सुबह घूमने वाले लोगों से कोई शुल्क नहीं लेने का आदेश दिया था और तालाब किनारे स्थित होटलों में आने वालों, अव्यवस्थित वाहन खड़े करने वालों से शुल्क लेने के जायज ठहराया था। महापौर का यह आदेश निगम के कर्मियों को ही हैरान करने वाला था कि वह वह यह कैसे तय करेंगे कि कौन घूमने आया है और कौन होटल में खाने या बैठने आया है।

तेलीबांधा तालाब के किनारे पार्किंग शुल्क पर भाजपा के दोहरे मापदंड का विरोध कांग्रेस नेताओं को करना ही था,उनके लिए यह ऐसा मौका था जिसके आधार पर महापौर का गलत ठहरा सकते थे। इसलिए पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने महापौर के फैसले का विरोध किया और कहा कि इसके खिलाफ जमीनी लड़ाई लड़ी जाएगी। एक फरवरी को मरीन ड्राइव के निजीकरण व व्यवसायीकरण के विरोध में मरीन ड्राइव में कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन किया और महापौर से आदेश वापस लेने की मांग भी की। साथ ही कहा गया कि यदि निगम प्रशासन ने यह निर्णय वापस नहीं लिया तो कांग्रेस आंदोलन और तेज करेगी।इसका परिणाम यह हुआ कि एक फरवरी की शाम महापौर ने पार्किंग मामले में यूटर्न लिया और कहा कि सड़क पर खड़ी गाड़ी से पार्किंग शुल्क कैसे लिया जा सकता है। निगम के पास तो ऐसी कोई जगह भी नहीं है जहां नागरिक अपनी गाडी पार्क कर सके इसलिए 15 दिन तालाब किनारे बैठने व घूमने वालों की मानिटरिंग की जाएगी,सड़क पर गाड़ी खड़ी करने से रोकने का अधिकार निगम के पास नहीं है, इसलिए निगम की एक बैठक पुलिस के साथ होगी। यानी महापौर ने स्वीकार किया कि वह जो करने जा रही थी वह उनका अधिकार नहीं है।इससे तो साफ हो गया है कि महापौर जो करने जा रही थी, वह गलत था।

यह बात भी सभी जानते हैं कि सड़क पर यातायात पुलिस ही पार्किंग का एरिया तय करती है। यह यातायात पुलिस का अधिकार है कि वह किसी सड़क पर पीली लाइन खींचकर पार्किंग एरिया तय करे।अगर पीली लाइन से बाहर गाड़ी खड़ी की जाती है तो जुर्माना की चेतावनी दी जाती है और जुर्माना भी किया जाता है।यह व्यवस्था जयस्तंभ चौक किनारे रवि भवन, एमजी रोड़ सहित कई सड़कों पर लागू है। क्या महापौर को पहले मालूम नहीं था कि ऐसा करना निगम के अधिकार क्षेत्र में नही आता है, क्या उनको मालूम नहीं था कि कहीं भी पार्किंग शुल्क के लिए यातायात समिति की अनुशंसा और नोटिफिकेशन जरूरी होता है। लगता है कि महापौर ने अतिउत्साह में ऐसा काम किया है जो उनको नहीं करना था अब चूक तो हो गई है तो उसे स्वीकार करना चाहिए।

शहर की राजनीति के नजरिए से देखा जाए तो कांग्रेस ने भाजपा महापौर को गलत साबित कर उनको यू टर्न लेने को मजबूर कर एक तरह से जीत दर्ज की है। उसने धरना प्रदर्शन कर भाजपा महापौर को अपना फैसला वापस लेने को मजबूर कर दिया और साबित कर दिया कि महापौर ने तेलीबांधा मे पार्किंग शुल्क लेने का जो फैसला किया था और तख्ती लगाई थी वह गलत था। राजनीति में अक्सर होता यह है कि सत्ता पक्ष ही जीतता है क्योंकि वह फैसले करता है और अपने फैसले को सही साबित करने में सफल भी होता है। ऐसा बहुत कम होता है कि सत्ता पक्ष कोई फैसला करे और वह उसे सही साबित न कर पाए। भाजपा की महापौर ऐसा नहीं कर पाई हैं यह एक मिसाल के तौर पर याद रखा जाएगा।

युवा बजट 2026-27 के आर्थिक मायने विशिष्ट, सियासी प्रभाववश विकसित भारत 2047 के सपने पूरे होंगे

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2026-27 को 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। उन्होंने इसे सुधारों को मजबूत करने और विकसित भारत के लिए स्पष्ट रोडमैप करार दिया। मोदी ने कहा कि यह बजट नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब है और अपार अवसर प्रदान करता है।

भारत सरकार का 2026-27 का केंद्रीय बजट विकास, रोजगार सृजन और राजकोषीय अनुशासन पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2026, दिन रविवार को इसे संसद की पटल पर प्रस्तुत करके एक नया रिकॉर्ड कायम किया। लिहाजा इसके आर्थिक मायने और राजनीतिक प्रभाव महत्वपूर्ण है। इसपर बहस तेज हो गई, जो कई कारणों से अभिप्रेरित है। जहां सत्ता पक्ष ने इसे युवा शक्ति का प्रतीक बजट ठहराया, वहीं विपक्ष ने इसे अदृश्य बजट करार देते हुए जमकर आलोचना की।

जहां तक कुल बजट आकार की बात है तो यह 53.5 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पूंजीगत व्यय 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया। भले ही राजकोषीय घाटा जीडीपी (GDP) का 4.3% रखा गया, जो पिछले साल के 4.4% की तुलना में कुछ कम है। वहीं, जहां तक कर सुधार की बात है तो आयकर दरों में कोई बदलाव नहीं आया; जबकि नया आयकर अधिनियम 2026 अप्रैल से लागू होगा। वहीं, एफ एंड ओ (F&O) पर एसटीटी (STT) बढ़ाकर 0.05-0.15% किया गया, विदेशी पर्यटन/शिक्षा हेतु टीसीएस (TCS) 2% किया गया।

जहां तक बजट में क्षेत्रीय प्रावधान किये जाने की बात है तो रोजगार-एमएसएमई के लिए 10,000 करोड़ का वृद्धि कोष प्रस्तावित है, जबकि क्रेडिट गारंटी दोगुनी की गई। वहीं, बुनियादी ढांचा हेतु 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का विकास, शहरी विकास के लिए 5,000 करोड़ प्रति वर्ष का प्रस्ताव और स्वास्थ्य-कृषि क्षेत्र में 17 कैंसर दवाएं सस्ती किये जाने की घोषणा, बायोफार्मा को 10,000 करोड़ दिए जाने का प्रस्ताव और मखाना बोर्ड मजबूत किये जाने का प्रस्ताव शामिल है। वहीं, अन्य महत्वपूर्ण बजट घोषणाओं में नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और निर्यात प्रोत्साहन पर फोकस प्रदान करते हुए सुधारों का 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' जारी रखा गया। लिहाजा यह विकसित भारत 2047 का रोडमैप है।

इन बजट प्रस्तावों के आर्थिक मायने दूरगामी महत्व वाले हैं, क्योंकि बजट में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है, जो बुनियादी ढांचे, विनिर्माण और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देगा। वहीं, राजकोषीय घाटा 4.3% जीडीपी (GDP) पर लक्षित है, जबकि ऋण-जीडीपी अनुपात 55.6% तक सुधरेगा, जो वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करेगा। वहीं, कर राहत जैसे टीसीएस (TCS)/टैक्स सीमा बढ़ाना, एमएसएमई (MSME) क्रेडिट गारंटी दोगुनी करना और स्टार्टअप फंड कंज्यूमर (consumer) खर्च व निवेश को प्रोत्साहित करेगा।

जहां तक बजट प्रस्तावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो निश्चय ही सरकार ने रोजगार (जैसे चमड़ा क्षेत्र में 22 लाख नौकरियां), किसान योजनाएं (मखाना बोर्ड) और स्वास्थ्य (10,000 मेडिकल सीटें) पर फोकस कर एनडीए (NDA) सहयोगियों व ग्रामीण मतदाताओं को मजबूत संदेश दिया है। जबकि विपक्ष ने इसे 'राजनीतिक बजट' करार दिया है, खासकर राज्य-विशिष्ट घोषणाओं पर, लेकिन विकास लक्ष्य (विकसित भारत 2047) बीजेपी की छवि को मजबूत करेंगे। कुल मिलाकर, यह गठबंधन स्थिरता और 2029 के आम चुनाव सहित 2026, 27 और 28 की विधानसभा चुनाव की तैयारी को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

लिहाजा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट 2026-27 को 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतीक बताया। उन्होंने इसे सुधारों को मजबूत करने और विकसित भारत के लिए स्पष्ट रोडमैप करार दिया। मोदी ने कहा कि यह बजट नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब है और अपार अवसर प्रदान करता है। युवाओं के लिए नया आयाम तथा हर घर लक्ष्मी का आगमन सुनिश्चित करने वाला बताया। विकास फोकस करते हुए उन्होंने इसे आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और समावेशी विकास का माध्यम माना, जो देश को 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की ओर ले जाएगा। विपक्ष की आलोचना के बीच सरकार की सकारात्मक छवि मजबूत करने वाला कदम है।

हालांकि, भारत के 2026-27 बजट पर विपक्ष ने कड़ी आलोचना की है। विभिन्न दलों ने इसे निराशाजनक, फीका और अपेक्षाओं से कम बताया। जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने इसे "पूरी तरह फीका" कहा, जिसमें भारी माहौल के बावजूद कोई स्पष्ट आवंटन या पारदर्शिता नहीं है। जबकि कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने आरोप लगाया कि सरकार अर्थव्यवस्था को गर्त में डुबो रही है। वहीं कांग्रेस नेता जेबी माथेर ने केरल के लिए इसे निराशाजनक बताया है।

वहीं, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि इस बजट में महिलाओं, युवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि के लिए कुछ नहीं है। जबकि सपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इसे गरीब-किसान-युवा विरोधी बजट बताया। जबकि सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि "मोदी सरकार से ही उन्हें कोई उम्मीद नहीं है।"

वहीं, टीएमसी नेत्री और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौजूदा बजट में भी बंगाल की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए इसे "दिशाहीन" बजट कहा। जबकि तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि यह बजट उनकी समझ में नहीं आया, इसलिए कोई नंबर नहीं देंगे। कुल मिलाकर विपक्ष ने राज्य-विशिष्ट घोषणाओं की कमी, मध्यम वर्ग व किसानों की अनदेखी तथा राजनीतिक बजट करार दिया।

हालांकि, भारत के 2026-27 बजट पर विपक्ष की आलोचना के जवाब में भाजपा सरकार ने इसे ऐतिहासिक, समावेशी और विकासोन्मुखी बजट बताया। बीजेपी नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष नकारात्मक राजनीति कर रहा है। जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बजट को सराहते हुए विपक्ष पर तंज कसा कि वे अर्थव्यवस्था की मजबूती को नहीं देख पा रहे। वहीं, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे विकसित भारत के संकल्प में मील का पत्थर करार देते हुए कहा कि यह बजट हर वर्ग के लिए कल्याणकारी है। जबकि यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इसे विकसित भारत का रोडमैप करार दिया, और कहा कि इसके विभिन्न प्रस्तावों से सामाजिक-आर्थिक विकास का स्वर्णिम अध्याय पूरा होगा। कृलमिलाकर सरकार ने जोर दिया कि कैपेक्स, रोजगार और किसान योजनाएं विपक्ष की 'फीका' टिप्पणी को गलत साबित करेंगी। इस प्रकार यह बजट एनडीए की एकजुटता को भी दिखाता है।

भारत ने बिछाई बड़ी कूटनीतिक बिसात तो सौदेबाजी की मेज पर भागता हुआ आया अमेरिका

नीरज कुमार दुबे

विदेश मंत्री एस. जयशंकर की अमेरिका यात्रा ऐसे समय हो रही है जब वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक खींचतान एक दूसरे में उलझ चुकी हैं। जयशंकर की यह यात्रा आपूर्ति श्रृंखला, दुर्लभ खनिज, रक्षा सहयोग और व्यापार समझौते पर नए संतुलन की तलाश है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो की पहल पर आयोजित महत्वपूर्ण खनिज मंत्री स्तरीय बैठक में जयशंकर की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आने वाले दशक की शक्ति राजनीति खनिज, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा के इर्द गिर्द घूमेगी।

इस यात्रा का पहला स्पष्ट लक्ष्य महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब यह समझ चुकी हैं कि दुर्लभ खनिजों पर निर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं बल्कि सामरिक प्रश्न है। चीन जैसे प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की मुहिम में भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। भारत की खनिज क्षमता, विशाल बाजार और तकनीकी मांग उसे इस खेल का केन्द्रीय खिलाड़ी बनाती है।

जयशंकर की यह यात्रा सात महीने बाद उनकी पहली द्विपक्षीय अमेरिका यात्रा है। पिछली यात्रा उस समय हुई थी जब अमेरिका ने भारत पर कड़े शुल्क नहीं लगाए थे। इन महीनों में बहुत कुछ बदल गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद शुल्क को हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क ने संबंधों में कड़वाहट घोली। अब संकेत मिल रहे हैं कि वाशिंगटन नरमी दिखा सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूस से तेल खरीद घटने पर अतिरिक्त शुल्क हटाने का रास्ता है। साथ ही वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करने की अनुमति का संदेश भी दिया गया है। यह सब केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि वार्ता की मेज पर सौदेबाजी के पते हैं।

दिलचस्प यह है कि इसी बीच भारत ने 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता पूरा कर लिया। इसने अमेरिका को यह संदेश दिया कि नई दिल्ली विकल्प तलाशने में सक्षम है। अटलांटिक परिषद से जुड़े विशेषज्ञ मार्क लिंस्काट का आकलन है कि भारत यूरोप समझौता अमेरिका भारत व्यापार वार्ता को तेज कर सकता है। साफ है कि वाशिंगटन भारत को खोना नहीं चाहता। वैसे भी भारत और अमेरिका के शीर्ष नेतृत्व की हालिया बातचीत और सार्वजनिक बयानों से यह आभास भी मजबूत हो रहा है कि दोनों देश लंबित व्यापार समझौते को अब अधिक देर तक टालना नहीं चाहते। पिछले महीनों में फोन पर हुई वार्ताओं, मंत्रिस्तरीय संपर्क और समान हितों पर दिए गए जोर से यह संकेत मिलते हैं कि माहौल को जानबूझकर सकारात्मक बनाया जा रहा है। ऐसे में जयशंकर की अमेरिका यात्रा को केवल खनिज या सामरिक चर्चा तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसे संभावित व्यापार समझौते की राह साफ करने वाली पहल के रूप में भी समझा जा रहा है। कूटनीतिक गलियारों में यह धारणा बन रही है कि यदि इस यात्रा में मुख्य अड़चनों पर सहमति का रास्ता निकलता है तो यह आगे की औपचारिक वार्ता के लिए हरी झंडी जैसा होगा, जिसके बाद मोदी सरकार अंतिम राजनीतिक स्वीकृति देकर समझौते पर मुहर लगा सकती है। यानी यह दौरा भविष्य के बड़े आर्थिक फैसले की भूमिका भी लिख सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि अपनी यात्रा से पहले जयशंकर ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मुलाकात की। उनके साथ अमेरिकी संसद के सदस्य जिमी पैट्रोनिस, माइक रोजर्स और एडम स्मिथ भी मौजूद रहे। बातचीत में व्यापार, रक्षा सहयोग, महत्वपूर्ण खनिज, हिंद प्रशांत क्षेत्र और यूक्रेन संघर्ष जैसे विषय शामिल रहे। यह केवल शिष्टाचार भेंट नहीं बल्कि जमीन तैयार करने वाली बातचीत थी। गोर ने भारत को अमेरिका का अहम भागीदार बताया और साझा सामरिक हितों पर जोर दिया। साथ ही अमेरिकी संसदीय दल की जनवरी में नई दिल्ली यात्रा भी रक्षा तकनीक सहयोग, सह उत्पादन और सह विकास पर केंद्रित रही। संदेश साफ है कि रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग संबंधों की रीढ़ बन सकता है।

अब इस पूरे घटनाक्रम को भारत के केंद्रीय बजट की घोषणाओं से जोड़कर देखिये। मोदी सरकार ने ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज संपन्न राज्यों में दुर्लभ खनिज गलियारे बनाने का प्रस्ताव रखा है। खनन, प्रसंस्करण, अनुसंधान और निर्माण को बढ़ावा देने की योजना सीधे उसी दिशा में जाती है जिस पर अमेरिका और उसके सहयोगी काम कर रहे हैं। सेमीकंडक्टर अभियान के लिए ये खनिज अनिवार्य हैं। बैटरी भंडारण के लिए लिथियम आयन कोश निर्माण, सौर कांच के लिए सोडियम एंटिमोनेट, परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए, आयातित सामान पर मूल शुल्क छूट, मिश्रित सीएनजी पर उत्पाद शुल्क गणना से जैव गैस को बाहर रखना और बैटरी भंडारण परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर सहायता को पांच गुना बढ़ाना दिखाता है कि भारत ऊर्जा और प्रौद्योगिकी की नई दौड़ के लिए तैयारी कर रहा है। 2030 तक पांच सौ गीगावाट गैर जीवाश्म ऊर्जा और 2047 तक सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा का लक्ष्य भारत की नई सामरिक दिशा है। निजी भागीदारी खोलने वाला परमाणु ऊर्जा कानून भी इसी कड़ी का हिस्सा है।

सच यह है कि दुनिया नए शीत युद्ध जैसे दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां गोलियों से ज्यादा खनिज, चिप और ऊर्जा की आपूर्ति शृंखला ताकत तय करेगी। जयशंकर की यात्रा को केवल कूटनीतिक दौरा समझना भूल होगी। यह भारत की बहुस्तरीय चाल है। एक ओर अमेरिका से तनाव घटाना, दूसरी ओर अपने हितों पर अडिग रहना, और साथ साथ यूरोप, रूस तथा अन्य साझेदारों के साथ संतुलन बनाए रखना आसान नहीं। पर भारत अब रक्षात्मक नहीं, सौदेबाज की मुद्रा में दिख रहा है। अमेरिका को भी समझना होगा कि शुल्क की लाठी से साझेदारी नहीं चलती। यदि वह भारत को सचमुच चीन का विकल्प बनाना चाहता है तो भरोसा, प्रौद्योगिकी साझेदारी और बाजार पहुंच देनी होगी। भारत के लिए भी संदेश साफ है कि आत्मनिर्भर खनिज और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाए बिना कोई सामरिक स्वायत्तता संभव नहीं।

बहरहाल, जयशंकर की कूटनीति की खासियत यही है कि वे मुस्कान के साथ कठोर संदेश देते हैं। अब देखना यह है कि वाशिंगटन इस संकेत को कितना समझता है। अभी जो तस्वीर उभर रही है वह बताती है कि नई दिल्ली ने खेल समझ लिया है और चाल चल दी है।

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

हरिशंकर व्यास

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है।

इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है।

भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी।

भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं। वे कोई जोखिम नहीं लेते हैं। उनकी सारी कमाई दुनिया की बड़ी कंपनियों का माल बेच कर है या सरकारी ठेके हासिल करने से है। सरकार खुद भी आरएंडडी पर बहुत कम खर्च करती है। सरकार रिसर्च पर अपना खर्च बढ़ाए, शिक्षण संस्थाओं को बेहतर करे और निजी सेक्टर को निवेश करने के लिए प्रेरित करे तब भी भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और उसके बाद भारत अपना सामान बाहर बेचने लायक बनेगा।

समाज कल्याण विभाग की योजनाएं बनी सम्मान, सुरक्षा व आत्मविश्वास की दिशा में मजबूत कदम

राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में सतत और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ संचालित योजनाओं ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जिले में अब तक 81 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। पेंशन वितरण में 99 प्रतिशत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा 99 प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण के साथ पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है।

दिव्यांगजन कल्याण के अंतर्गत अब तक 09 हजार 800 से अधिक विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। 517 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया है, जिससे दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता को बल मिला है। साथ ही, विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से उन्हें शिक्षा और पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सियान हेल्पलाइन केंद्र के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया गया है। वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति देखभाल गृहों के माध्यम से निराश्रित एवं उपेक्षित व्यक्तियों को आश्रय, पहचान और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के हर वर्ग की सुरक्षा की भावना के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह पहल न केवल संवेदनशील शासन का उदाहरण है, बल्कि समावेशी विकास को जमीन पर उतारने की सशक्त मिसाल भी है, जिससे मुंगेली सहित पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय और समानता को नई दिशा मिली है।

खास खबर

जल संरक्षण, पर्यटन विकास और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सक्रिय पहल और सतत प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में कुल 10.93 करोड़ रुपए की लागत से महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों के पूर्ण होने से जल संरक्षण को मजबूती, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता के संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके अलावा, स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार और आय के अवसर भी सृजित होंगे।

सूरजपुर जिले के विकासखंड भैयाथान अंतर्गत बृजेश्वर सागर जलाशय योजना के नवीनीकरण कार्य हेतु 4.94 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, इसी विकासखंड की कुर्रीडीह जलाशय योजना के जीणोद्धार कार्य के लिए 4.73 करोड़ रुपए, और विकासखंड ओड़गी स्थित बसनारा जलाशय (तालाब) के मरम्मत एवं जीणोद्धार कार्य हेतु 1.26 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि जल संसाधनों के संरक्षण एवं विकास से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, पर्यटन के विस्तार से युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और क्षेत्र का समग्र विकास गति पकड़ेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने विकास कार्यों की इस सौगात के लिए राज्य सरकार एवं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

गृह भेंट कर पौष्टिक आहार और साफ-सफाई की दी जा रही समझाईश

राजनांदगांव। जिले में कुपोषित बच्चों को सुपोषण की श्रेणी में लाने के लिए पोटु लईका पहल अभियान के तहत आंगनबाड़ी केन्द्रों में पालक चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शिशुवती माताओं और नन्हे बच्चों का समय पर टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुपरवाइजर महिला एवं बाल विकास विभाग ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सिंघोला के गंभीर कुपोषित बच्चों के गृह भेंट कर स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गंभीर कुपोषित बच्चों के परिजनों को पौष्टिक आहार एवं साफ-सफाई के संबंध में समझाईश एवं जानकारी दी। सुपरवाईजर ने बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के लिए तिरंगा भोजन के रूप में पौष्टिक आहार खाने के लिए प्रेरित किया गया। जिससे बच्चों को प्रोटीन, विटामिन एवं अन्य पोषक तत्वों से भरपूर भोजन मिल सके। उन्होंने अभिभावकों को तिरंगा भोजन के संबंध में जानकारी दी। तिरंगा भोजन में केसरी रंग अंतर्गत दलहन, सोया, अंडा, सफेद रंग चावल, रोटी तथा हरा रंग में हरी सब्जी जैसे पालक, मेथी, मुनगा भाजी एवं अन्य हरी साग-सब्जी का होता है। अपने बच्चों को पौष्टिक भोजन कम से कम 3 बार दिन में खिलाने और 2-3 बार स्वयं भी खाने की सलाह दी।

उप मुख्यमंत्री से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों ने की मुलाकात, 32 पदक जीतकर बना ओवरऑल चौंपियन

राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कबीरधाम जिला के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से 16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन की जानकारी साझा की तथा प्रतियोगिता के अनुभव भी बताए। गौरतलब है कि राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 पैरा खिलाड़ियों ने कुल 32 पदक जीतकर जिले को ओवर ऑल चौंपियन बनाया। खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे जिले में गर्व और उत्साह का वातावरण है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता केवल पदकों की संख्या नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के संघर्ष, आत्मविश्वास और अटूट हौसले की जीत है। उन्होंने कहा कि कबीरधाम के दिव्यांग खिलाड़ियों ने यह साबित किया है कि शारीरिक चुनौतियाँ सफलता की राह में बाधा नहीं बन सकतीं, यदि मन में दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उन्होंने खिलाड़ियों से चर्चा के दौरान कहा कि प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के 13 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कुल 32 पदक जीतकर पूरे प्रदेश में जिले का नाम गौरवान्वित किया है। पूरे आयोजन के दौरान कबीरधाम के खिलाड़ियों का दबदबा बना रहा। खिलाड़ियों ने अपने अनुशासन, कठिन परिश्रम, समर्पण और खेल भावना से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं एवं अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों के लिए उनके क्षेत्र में ही मिनी स्टेडियम बनाएं जा रहे है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कवर्धा गणेश तिवारी, बोडला नंद श्रीवास, नरेंद्र मानिकपुरी, मनीराम साहू, अमर कुर्रे, प्रवीण शर्मा, जसबीर सालूजा, शैलेन्द्र उपाध्याय सहित जन प्रतिनिधि, क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

कबीरधाम के खिलाड़ियों ने जीते 32 पदक

16वीं छत्तीसगढ़ राज्यस्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कबीरधाम जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अर्जित किए। छोटी मेहरा ने तवा फेंक और गोला फेंक दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अनिल कुमार ने गोला फेंक और भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। खिलेश्वर पटेल ने 400 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ तथा लंबी कूद में स्वर्ण पदक हासिल किए, जबकि सुखनंदन निषाद ने 200 मीटर दौड़, 100 मीटर दौड़ और लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। देव सिंह अहीरे ने भाला फेंक और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किया। अरुण वर्मा ने भाला फेंक, लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक जीते, साथ ही 100 मीटर दौड़ एवं 200 मीटर दौड़ में रजत पदक भी हासिल किए। गांधी कुर्रे ने भाला फेंक और लंबी कूद में स्वर्ण पदक, जबकि 100 मीटर दौड़ और गोला फेंक में रजत पदक प्राप्त किए। आमीन खान ने लंबी कूद और गोला फेंक में स्वर्ण पदक तथा तवा फेंक में रजत पदक जीता। शिवकिंकर नेताम ने तवा फेंक में स्वर्ण पदक, गोला फेंक में रजत पदक और भाला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया। बानू ने तवा फेंक में रजत पदक जीता, वहीं रामलोचन वर्मा ने भाला फेंक में रजत पदक हासिल किया। केशव ने तवा फेंक और गोला फेंक दोनों में स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सरजू कोसले ने गोला फेंक में स्वर्ण पदक तथा तवा फेंक और भाला फेंक में रजत पदक प्राप्त किए। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों से कबीरधाम जिले का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित हुआ है और यह प्रदर्शन आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बना है।

रतनपुर में बनेगा भव्य ऑडिटोरियम, उप मुख्यमंत्री ने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 1 फरवरी को रतनपुर में माघी पूर्णिमा एवं आदिवासी विकास मेला वर्ष-2026 का शुभारंभ किया। श्री साव ने इस अवसर पर ऑडिटोरियम निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए और नगर पालिका भवन में बाउंड्रीवाल के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि रतनपुर पवित्र और पौराणिक नगरी है, इसकी ख्याति दुनिया भर में है। इस ख्याति के अनुरूप यहां बहुत कुछ किया जाना बाकी है। यह

कभी छत्तीसगढ़ की राजधानी रही है। इसके अनुरूप गरिमा बढ़ाने का काम करेंगे।

श्री साव ने बताया कि रतनपुर को कॉरीडोर के रूप में विकसित करने का काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के धार्मिक स्थलों को सजाने और संवारने का काम हुआ है। मां महामाया की कृपा से रतनपुर को भी संवारेंगे। रतनपुर के तालाबों के सौंदर्यीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसे सुंदर बनाने पूरे मन से कार्य करेंगे। विधायक सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और नगर पालिका के अध्यक्ष लवकुश कश्यप सहित पार्षदगण एवं नगरवासी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना : 81 हजार से अधिक हितग्राही लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में सतत और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ संचालित योजनाओं ने वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जिले में अब तक 81 हजार से अधिक हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। पेंशन वितरण में 99 प्रतिशत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा 99 प्रतिशत आधार प्रमाणीकरण के साथ पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है। दिव्यांगजन कल्याण के अंतर्गत अब तक 09 हजार 800 से अधिक विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। 517 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया है, जिससे दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता को बल मिला है। साथ ही, विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से उन्हें शिक्षा और पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

औषधीय व सुगंधित पौधों की खेती के प्रति किसानों में बढ़ी रूझान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती में किसानों की रुचि तेजी से बढ़ी है, जिसका मुख्य कारण पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक लाभ, कम लागत और बाजार में मांग है। अश्वगंधा, लेमनग्रास, तुलसी और खस जैसी फसलों से किसान प्रति एकड़ अच्छी कमाई कर रहे हैं, जिसमें सरकार की सब्सिडी और तकनीकी सहायता भी मदद कर रही है।

औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा

छत्तीसगढ़ युवा प्रगतिशील किसान संघ द्वारा आयोजित किसान मेले में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड ने सक्रिय सहभागिता की। कुम्हारी, दुर्ग में 30-31 जनवरी को आयोजित दो दिवसीय किसान मेले में बोर्ड द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा देने हेतु संचालित शासकीय योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद दुर्ग विजय बघेल सहित कृषि विभाग एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टॉल पर विभिन्न आकर्षक मॉडलों के माध्यम से खेती के सफल उदाहरण प्रस्तुत किए गए। इनमें नदी किनारे की रेतीली एवं अनुपयोगी भूमि पर खस की खेती, महिला सशक्तिकरण के लिए घरों की बाड़ी में सिंदूरी, सतावर एवं ब्राह्मी का रोपण तथा धान की खेती के कन्वर्जेंस के रूप में लेमनग्रास की खेती के मिनिएचर मॉडल शामिल रहे। ये मॉडल किसानों एवं आमजनों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने।

उल्लेखनीय है कि इस किसान मेले में बोर्ड द्वारा औषधीय एवं सुगंधित पौधों से तैयार उत्पादों का निःशुल्क वितरण भी किया गया। अनंतमूल की जड़ से तैयार नन्नारी शरबत किसानों एवं आमजनों परोसा गया, जो शरीर को आंतरिक रूप से ठंडक प्रदान करता है और ग्रीष्म ऋतु में लू से बचाव में सहायक है। इसके साथ ही लेमनग्रास तेल की 10 मि.ली. शीशियों का निःशुल्क वितरण किया गया। लेमनग्रास तेल का उपयोग मानसिक शांति, सुगंधित वातावरण बनाने, मच्छर एवं कीट-पतंगों को दूर भगाने तथा तेल में मिलाकर मालिश के लिए किया जाता है। किसान मेले में लगभग 1000 से 1500 किसानों एवं आमजनों ने बोर्ड के स्टॉल से जानकारी प्राप्त की तथा नन्नारी शरबत और लेमनग्रास तेल के फायदे के बारे में विस्तृत जानकारी।

हौसलों की उड़ान से सीआरपीएफ जवान तोमन ने पैरा तीरंदाज खेल में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रचा इतिहास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जब इरादे मजबूत हों, तो विपरीत परिस्थितियाँ भी रास्ता रोक नहीं पातीं। बिलासपुर के राज्य प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे पैरा तीरंदाज तोमन कुमार ने इसे साकार कर दिखाया है। उन्होंने 7वीं एनटीपीसी पैरा राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

पंजाब के एनएसआईएस पटियाला में 30 जनवरी से 2 फरवरी तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में तोमन कुमार ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक तथा टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य को दोहरी सफलता दिलाई। टीम स्पर्धा में उन्होंने अमित

कीर्तनिया के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की। तोमन कुमार पिछले दो वर्षों से बिलासपुर आचर्री एकेडमी में तीरंदाजी का नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ पैरा तीरंदाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक मनमोहन पटेल के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। उनकी उपलब्धियों में प्रशिक्षक श्री पंकज सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बालोद जिले के तोमन कुमार सीआरपीएफ के जवान रह चुके हैं। नक्सल ऑपरेशन के दौरान आईईडी ब्लास्ट में उन्होंने अपना बायाँ पैर खो दिया, लेकिन इस कठिन हादसे ने उनके हौसले को कमजोर करने के बजाय और अधिक सशक्त बना दिया। जीवन की इस बड़ी चुनौती के बाद उन्होंने खेल को अपना संबल बनाया और पैरा तीरंदाजी में नया मुकाम हासिल किया। पैरा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश के लिए पदक जीतना उनका सपना है।

तोमन कुमार वर्ष 2017 तक सक्रिय रूप से देश सेवा में कार्यरत रहे और आज भी उसी राष्ट्रभक्ति और जज्बे के साथ खेल के मैदान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से बिलासपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में खेल प्रेमियों में उत्साह और गर्व का माहौल है। उनकी संघर्ष गाथा न केवल पैरा खिलाड़ियों, बल्कि सामान्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

तोमन कुमार अपनी उपलब्धियों और जज्बे से केवल एक सफल पैरा तीरंदाज ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पैरा खेल जगत के लिए यूथ-आइकॉन के रूप में उभरकर सामने आए हैं। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश में पैरा खेलों को नई पहचान, आत्मविश्वास और दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उनकी उपलब्धि पर खेल अधिकारी ए. एक्का सहित विभिन्न खेल संघों से जुड़े अधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

दबिश महासमुंद में गुटखा जब्ती, 15 .50 लाख का जुर्माना

खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने लगातार औचक जांच, कई जिलों में कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पोषणयुक्त खाद्य सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में लगातार औचक निरीक्षण एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

धमतरी जिले में 73 परिसरों का निरीक्षण

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला धमतरी द्वारा जनवरी 2026 में कुल 73 खाद्य परिसरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 14 परिसरों को आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया गया। इस अवधि में 1 खाद्य नमूना संग्रहित किया गया तथा 2 प्रकरण एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर रमन स्वीट्स, बस स्टैंड धमतरी से ढोकना का नमूना संकलित कर प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा गया।

इसके अतिरिक्त खाद्य पदार्थ परोसने में अखबारी कागज के उपयोग को हतोत्साहित करने हेतु प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को फॉसटैक प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रमाण-पत्र परिसर में प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पोहा मिलों पर कार्रवाई

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में जनवरी 2026 के दौरान भाटापारा स्थित मातारानी इंडस्ट्रीज (सेमरिया रोड, खोखली), महासती उद्योग (सूरजपुरा रोड) एवं एन.एस. इंडस्ट्रीज (खोखली) का निरीक्षण किया गया।

मातारानी इंडस्ट्रीज में खाद्य लेबल पर विनिर्माता के स्थान पर अन्य फर्म का नाम एवं पता अंकित पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।महासती उद्योग से पोहा का विधिक नमूना लिया गया।

एन.एस. इंडस्ट्रीज में नवीनीकरण के समय फोरेंकोस में अपलोड किए गए स्व-निरीक्षण प्रतिवेदन में असत्य जानकारी पाए जाने पर निरीक्षण कर पोहा एवं नायलॉन पोहा के विधिक नमूने लिए गए तथा नोटिस जारी किया गया। इस माह जिले में कुल 5 विधिक नमूने संकलित किए गए और 1 प्रकरण एडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

जिला महासमुंद में जनवरी 2026 के दौरान निरीक्षण के समय कुल 13 नमूने संकलित किए गए, जिनमें 8 विधिक, 4 सर्विलेंस नमूने तथा 1 सूचना सुधार प्रकरण शामिल है। कार्रवाई के दौरान 92,352 पाउच प्रतिबंधित गुटखा, 2 किलोग्राम बेसन एवं 500 ग्राम बारीक सेव (अवमानक तिथि पार) जब्त की गई। न्याय निर्णयन अधिकारी द्वारा संबंधित प्रकरणों में 15,50,000 रुपये का अधर्दंड अधिरोपित किया गया। इसके अतिरिक्त बिना अनुज्ञप्ति/पंजीयन के 2 प्रकरणों में धारा 69 (कंपाउंडिंग) के अंतर्गत 20,100 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही 51 नग अखाद्य रंग नष्ट किए गए।

संदिग्ध वाहन से दुग्ध उत्पाद जब्त

जिला रायगढ़ में संदिग्ध पिकअप वाहन द्वारा शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विक्रय हेतु परिवहन की जा रही लगभग 2 लाख रुपये मूल्य की दुग्ध उत्पाद सामग्री जब्त की गई। नमूने गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजे गए हैं। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के पश्चात संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेश के नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर सघन निरीक्षण एवं कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

कच्चे घर से पक्के घर तक : पीएम आवास योजना ग्रामीण से साकार हुआ हेमंत सिंह का सपना

नई दृष्टिबिंदु / जांजगीर-चांपा

विकासखण्ड अकलतरा के ग्राम पंचायत चंदनिवा के निवासी हेमंत सिंह के लिए पक्का मकान कभी एक सपना हुआ करता था। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण हेमंत सिंह खपरे और टीन की छत वाले कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। आर्थिक अभाव के कारण न तो वे घर की मरम्मत करा पा रहे थे और न ही छप्पर या टीन बदलने की स्थिति में थे। बरसात के दिनों में उनका परिवार भारी कठिनाइयों का सामना करता था।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने उनके जीवन में आशा की नई किरण जगाई। वर्ष 2024-25 में शासन द्वारा उनका चयन कर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 1.20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई। यह राशि सीधे उनके बैंक खाते में आबंटित की गई, जिससे उन्हें अपने पक्के मकान के निर्माण का अवसर प्राप्त हुआ। स्वीकृत राशि प्राप्त होने के पश्चात हितग्राही हेमंत सिंह द्वारा आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया। आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित, मजबूत और पक्के मकान में सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर रहे हैं। इसके साथ ही वे उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एल.पी.जी. गैस कनेक्शन तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत जलवाहित शौचालय निर्माण का लाभ भी प्राप्त कर चुके हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

परिवार के सदस्य कहते है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण जैसी योजनाएं गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। यह योजना न केवल सिर पर छत देती है, बल्कि सम्मानजनक जीवन जीने का आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। वे इसके लिए शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से उनके जैसे लाखों गरीबों का पक्का मकान का सपना साकार हो रहा है।

जिला साहू संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

समाज के हर व्यक्ति के सुख-दुख में हों शामिल, कोई अकेला महसूस न करें : अरुण

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने जिला साहू संघ बालोद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सभी को नव दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीउ। उन्होंने इस अवसर पर समाज के विद्यार्थियों के हित में छात्रावास भवन के लिए भूमिपूजन किया। साथ ही सामाजिक भवन में बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की घोषणा की। श्री साव ने कहा कि समाज ने शिक्षा और सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य किया है। इसका लाभ समाज के बच्चों को होगा।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के लिए संकल्प लेने का दिन है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व में बालोद जिला साहू समाज निरंतर प्रगति करेगा। शिक्षा, कृषि, राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने के मामले में बालोद जिले की हमेशा एक अलग पहचान रही है, जिसे आगे और सशक्त बनाने की जिम्मेदारी अब नए पदाधिकारियों के कंधों पर है।

श्री साव ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग गरीब, मजदूर, रिक्शा चालक, ऑटो चालक सहित सभी के लिए समाज का द्वार सदैव खुला रहना चाहिए। सामाजिक पदाधिकारियों का दायित्व है कि वे हर व्यक्ति के सुख-दुख में साथ खड़े रहें, ताकि हर सदस्य यह महसूस करे कि समाज उसके साथ है। साथ ही वर्ष में कम से कम दो बार सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, जिससे समाज से उनका जुड़ाव मजबूत हो और वे समाज में अपने महत्व को समझ सकें।

समारोह में साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, पूर्व मंत्रीगण ताम्रध्वज साहू एवं श्रीमती रमशीला साहू, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष टहल सिंह साहू, विपिन साहू, दीपक साहू, प्रीतम साहू, श्रीमती प्रतिभा चौधरी, हलधर साहू और वीरेंद्र साहू सहित नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष महेंद्र साहू, मदन साहू, बंशीलाल साहू, गणेश राम साहू, राजेश साहू, भागवत साहू एवं सुनील साहू भी मौजूद थे।

खास खबर

संसद में पेश हुआ केंद्रीय बजट – आम लोगों और बिजनेस के लिए अहम घोषणाएँ

भिलाई। HMGM जन सेवा समिति के प्रमुख लोकेश पांडे (पूर्व जिला महामंत्री) भारतीय जनता युवा मोर्चा, भिलाई ने केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे भविष्य की नींव रखता है और आर्थिक विकास के साथ-साथ हर वर्ग के कल्याण को केंद्र में रखकर तैयार किया गया है। साथ कर्तव्य भवन में प्रस्तुत यह पहला बजट है, जिसमें रोजगार सृजन, जन अपेक्षाओं की पूर्ति और सबका साथ - सबका विकास की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

लोकेश पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वित्तमंत्री निमर्ला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, मध्यम वर्ग और श्रमिकों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस बजट का सीधा फायदा छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को मिलेगा और राज्य के विकास को नई गति मिलेगी। कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर कहा कि बजट में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन ने किया नववर्ष मिलन और सम्मान समारोह आयोजन

पाटन। छत्तीसगढ़ कर्मचारीअधिकारी फेडरेशन, पाटन के तत्वावधान में आज स्थानीय विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) पाटन में नव वर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक, छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवंअध्यक्ष, छ.ग. राजपत्रित अधिकारी संघ, अध्यक्षता राजेश चटर्जी संभाग प्रभारी, छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं प्रांताध्यक्ष, छ.ग. प्रदेश शिक्षक संघ विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर चन्द्राकर प्रांतीय उपाध्यक्ष छग शिक्षक फेडरेशन, जागेन्द्र साहू मुख्यकार्यपालन अधिकारी पाटन थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण फेडरेशन के संगठनात्मक जानकारी महेन्द्र कुमार साहू संयोजक, कमर्चारी अधिकारी फेडरेशन पाटन एवं अध्यक्ष, पंचायत सचिव संघ जिला दुर्ग, आभार टिकेन्द्र नाथ वर्मा संरक्षक व संचालन ललित बिजौरा प्रांतीय सह प्रवक्ता ने किया।

मुख्य अतिथि कमल वर्मा अपने उद्बोधन में कहा कि कर्मचारी हितों की रक्षा और शासकीय कार्यों को पारदर्शिता के साथ पूरा करने के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर फेडरेशन द्वारा उन कर्मचारी और अधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले वर्ष अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन किया। मिलन समारोह में चर्चा के साथ-साथ संवाद का दौर भी चला, जिससे विभाग के भीतर एक सकारात्मक कार्य वातावरण निर्मित करने में मदद मिली।

सेजस में स्मार्ट क्लास, एनुअल डे में पहुंचे मंत्री यादव ने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, दीपक नगर, दुर्ग में आयोजित वार्षिक उत्सव (एनुअल डे) कार्यक्रम में शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किये और विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, शिक्षा एवं संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद, रचनात्मक गतिविधियों एवं बौद्धिक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। इससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास संतुलित रूप से हो सकेगा। उन्होंने कहा कि स्कूल का एनुअल डे केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मक, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का बेहतर मंच होता है। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनमें नई ऊर्जा का संचार होता है। बच्चे पूरे वर्ष जो कुछ सीखते हैं, उसे इस मंच के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों

में किसी भी प्रकार की प्रतिभा की कमी नहीं है, आवश्यकता है तो केवल उचित मार्गदर्शन और अवसर की।

कार्यक्रम में उपस्थित पालकगण से मंत्री गजेन्द्र यादव ने बच्चों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने और उन्हें संस्कारवान बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि परिवार और विद्यालय दोनों की संयुक्त भूमिका से ही बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होगा।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शासकीय विद्यालयों में बेहतर भवन, आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, दीपक नगर शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियों के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। आने वाले समय में यहां विद्यार्थियों की शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए स्मार्ट कक्षाओं का संचालन किया जाएगा। इस अवसर पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष अनूप गटागट, जिला महामंत्री विनोद अरोरा, पार्षद मनोज सोनी, विनोद मून, विजय जलकारे, आसिफ अली, प्राचार्य जे. मनोहरण उपस्थित रहे।

जोन आयुक्त ने किया निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क सहित उद्यान का निरीक्षण जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा किया गया। स्थानीय नागरिको से मिलकर उनकी समस्या से अवगत हुए।

जोन आयुक्त ने वैशाली नगर स्थित सिंधु भवन मार्ग में निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किये। स्थानीय नागरिको का मांग था कि सुगम यातायात हेतु सड़क बनाया जाये। जिसे देखते हुए नवीन सड़क निर्माण किया जा रहा है, इस सड़क के निर्माण से नागरिको को

आवागमन में सुविधा होगी। समीपस्थ प्राइवेट समिति द्वारा सुन्दर नगर पार्क बनाया गया है, जिसका अवलोकन किया गया।

पार्क अच्छा बनाया गया है, जिसे समय-समय पर समिति द्वारा व्यवस्थित किया जाता है। स्थानीय नागरिको से मुलाकात कर वहां की समस्या से अवगत हुए। उपस्थित नागरिको द्वारा उद्यान एवं सड़को पर प्रकाश व्यवस्था की मांग किया गया है, जिसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

निधन

प्रमेंद्र सिंह चौहान

भिलाई। फ्लैट नंबर 5,सी 01 ब्लाक निवासी प्रमेन्द्र सिंह चौहान का 3 फरवरी को हैदराबाद में निधन हो गया उनका अंतिम संस्कार 4 फरवरी को सुबह 11 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे सुनीता सिंह चौहान के पति थे,उनके निधन पर क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाई नगर ने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

निगम भिलाई से 8 अधिकारी और कमर्चारी हुए सेवानिवृत्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई से सेवानिवृत्त होने वाले 8 अधिकारी/कमर्चारियों को स-सम्मान बिदाई दी गई। मुख्य कार्यालय सभागार में आज निगम प्रशासन की ओर से कमर्चारियों को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट करते हुए सेवानिवृत्त होने वाले कमर्चारियों की अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना किये। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, मुख्य अभियंता भागीरथी वर्मा, उपायुक्त डी. के. कोसरिया एवं अधीक्षण अभियंता अजीत कुमार तिग्गा की उपस्थिति में अधीक्षण अभियंता संजय कुमार शर्मा, दीपक जोशी, समयपाल/कार्य सहायक ग्रेड-2 दामोदर सिंह वर्मा,

डाटा एन्ट्री आपरेटर विश्वजीत सेनगुप्ता, पम्प सहायक सुदामा कुमार परगनिहा, चैकीदार रामकुमार शर्मा, सफाई कामगार मंगलराम एवं रेजा जमुना बाई को निगम प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

निगम आयुक्त सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कमर्चारियों के किये गये कायो को याद करते हुए शुभकानाएं दिये और शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त पश्चात परिवारिक दायित्व के निर्वहन में अपना समय देने हेतु आग्रह किये। आयुक्त द्वारा कहा गया कि आगामी समय में अधिकारी एवं कमर्चारियों की कमी से निगम का कार्य और कठिन होता जायेगा, इसलिए हमे वरिष्ठों से अनुभव लेते हुए कार्य करना है। मुख्य अभियंता द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी कमर्चारियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना किये। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी संजय कुमार शर्मा, दीपक कुमार जोशी एवं विश्वजीत सेनगुप्ता ने निगम में किये गये अपने अनुभव साझा किये और निगम के कार्य की सराहना करते हुए कहा गया कि निगम में जन्म, जीवन एवं अंतिम छण तक के लिए कार्य किया जाता है, जो कि अन्य विभागों में संभव नहीं है।

बिदाई कार्यक्रम में जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्थापना अधीक्षक शालनी घुरऊ, चंदन निर्मल, शंकर सुमन मरकाम, शरद दुबे, रामवृक्ष यादव, पुरूषोत्तम साहू, राजेश पालवे, विदयाधर देवांगन एवं संगठन के पदाधिकारी श्रवण ठाकुर, वामन राव, नवीन साहू, राजसच्चर, हेमंचद बंजारे उपस्थित रहे।

ओटेबंद में श्री विष्णु महायज्ञ और श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 19 से

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंडा ओटेबंद (बगीचा), जिला-बालोद छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल ग्राम ओटेबंद में श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन 19 फरवरी गुरुवार से 1 मार्च रविवार 2026 तक किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा का वाचन पूज्य संत राजीव नयन महाराज (श्रीधाम वृन्दावन) के श्रीमुख से होगा। कथा का आयोजन 21 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा।

इस आयोजन का संचालन श्री विष्णु महायज्ञ मंदिर समिति, ओटेबंद द्वारा किया जा रहा है। ओटेबंद स्थित यह मंदिर छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध मंदिर

मेला उत्सव स्थल माना जाता है, जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं। मंदिर से जुड़ी एक विशेष धार्मिक मान्यता भी प्रचलित है। यहां स्थित एक पवित्र वृक्ष में श्रद्धालुओं द्वारा मन्नत के रूप में नारियल बांधा जाता है। मान्यता है कि सच्चे मन से बांधी गई मन्नत पूर्ण होने पर श्रद्धालु पुनः आकर अपनी मनोकामना पूर्ण होने का धन्यवाद अर्पित करते हैं। श्री विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के दौरान यज्ञ, प्रवचन, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धमर्लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

ध्यानाकर्षण पूर्व महापौर जैन ने मुख्यमंत्री साय, विस डॉ. रमन सिंह व सांसद को लिखा पत्र

राजनांदगांव को स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल करने की मांग हुई तेज

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) में राजनांदगांव नगर निगम एवं जिले को शामिल किए जाने की मांग एक बार फिर सामने आई है। इस संबंध में पूर्व महापौर अजीत जैन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा सांसद संतोष पाण्डेय को पत्र लिखकर राजनांदगांव को एससीआर में सम्मिलित करने की मांग की है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्य सरकार द्वारा स्टेट कैपिटल रीजन के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए मंत्रिपरिषद द्वारा 210 पदों के सेटअप को स्वीकृति दी जा चुकी

है। वतर्मान में एससीआर में रायपुर, बीरगांव, भिलाई और दुर्ग जैसे नगर निगमों के साथ 23 नगरीय निकाय एवं लगभग 700 गांवों को शामिल किया गया है, जबकि राजनांदगांव जिले को इससे बाहर रखा गया है। पूर्व महापौर ने इसे जिले के विकास की दृष्टि से अनुचित बताते हुए कहा है कि शासन के वरिष्ठ अधिकारियों का भी यह मानना है कि यदि स्टेट कैपिटल रीजन का विस्तार किया जाता है, तो राजनांदगांव को जनहित में तथा बजट में सरलता से शामिल किया जा सकता है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि राजनांदगांव महाराष्ट्र से छत्तीसगढ़ का प्रमुख प्रवेश द्वार है। स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल होने से जिले के शहरी विकास को गति मिलेगी। इसके साथ ही रायपुर से दुर्ग तक प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना, जिसके सर्वे हेतु राज्य शासन द्वारा 5 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, का लाभ भी राजनांदगांव वासियों को मिल सकता है, यदि जिले को एससीआर में शामिल किया जाता है। अजीत जैन ने पत्र में कहा है कि एससीआर में सम्मिलित होने से राजनांदगांव जिले में शहरी विकास, औद्योगिक निवेश, रोजगार के अवसरों और आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार संभव होगा।

जानकारी के अनुसार, इस विषय में विधानसभा अध्यक्ष कार्यालय से कलेक्टर, जिला राजनांदगांव को आवश्यक कार्रवाई एवं परीक्षण हेतु पत्र अग्रेषित किया गया है। अब जिलेवासियों की नजर राज्य सरकार के निर्णय पर टिकी हुई है कि राजनांदगांव को स्टेट कैपिटल रीजन में शामिल किए जाने को लेकर आगे क्या कदम उठाए जाते हैं।

छग व CSPDCL की 25 वर्ष की यात्रा सेवा समर्पण और विकास की मिसाल-कीर्ति नायक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित रजत जयंती समारोह में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने CSPDCL के अधिकारी-कमर्चारियों को संबोधित करते हुए उनके सेवा भाव, समर्पण और योगदान की सराहना की।

अपने भावनात्मक एवं प्रेरणादायी संबोधन में श्रीमती कीर्ति नायक ने कहा कि CSPDCL केवल एक संस्था नहीं, बल्कि उन कमर्योगियों का परिवार है, जो हर परिस्थिति में छत्तीसगढ़ को रोशन रखने का दायित्व निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरा समाज विश्राम करता है, तब CSPDCL के कमर्चारी आँधी, बारिश और अंधेरी रातों में भी जनता की सेवा में तत्पर रहते हैं—यही उनकी सबसे बड़ी पहचान और शक्ति है।

श्रीमती नायक ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की रगों में जो ऊर्जा प्रवाहित हो रही है, उसमें

CSPDCL के प्रत्येक कमर्चारी का परिश्रम, त्याग और निष्ठा समाहित है। उन्होंने कमर्चारियों के परिवारों के धैर्य, सहयोग और त्याग को भी नमन करते हुए कहा कि यह सेवा केवल कमर्चारियों की नहीं, बल्कि उनके परिवारों की भी सामूहिक तपस्या है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हरित ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और उपभोक्ता संतुष्टि के क्षेत्र में CSPDCL नई उपलब्धियाँ स्थापित करेगा तथा छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में ले जाएगा।

अंत में श्रीमती कीर्ति नायक ने छत्तीसगढ़ राज्य एवं उरढउ्ळछ के 25 स्वर्णिम वर्षों की शुभकामनाएं देते हुए कहा– हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि रोशनी का यह विश्वास कभी बुझने न पाए और छत्तीसगढ़ का हर घर उजाले से भरा रहे। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती कीर्ति नायक, अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर, सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कमलेश वर्मा, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन एवं श्रीमती कुसुमलता राकेश आडील उपस्थित रहीं।

विशेष अतिथि के रूप में सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर एवं राजा पाठक शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बी.पी. दीपक, कार्यपालन अभियंता CSPDCL, सहायक अभियंता कमलेश साहू, अग्रसेन डहरिया, धर्मेंद्र देवांगन, कनिष्ठ अभियंता राजेश साहू, लोचन ध्रुव, सुश्री स्वाति गौतम सहित पाटन क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ, डेब्यू सॉन्ग छाप तिलक पर कही यह खास बात

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है। प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

लईकी लईका में नजर आएंगी राशा थडानी

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्लैमर का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

राशा के करियर की शुरुआत

राशा ने बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म आजाद (2025) से डेब्यू किया था, जिसमें उनके साथ नए अभिनेता अमन देवगन थे। इस फिल्म के निर्देशक अभिषेक कपूर थे और सह-निर्माता रॉनी स्क्रूवाला व प्रज्ञा कपूर थे। फिल्म में अजय देवगन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बॉर्डर-2 में रोल मिलने पर खुशी से रो पड़ी थी मेधा राणा, बताया कैसा रहा शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर लवड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं। फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं। फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

दो दीवाने सेहर में के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी फिर ला रहे हैं रोमांटिक कॉमेडी का दौर

अब तक अपनी गंभीर और दमदार भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी आगामी फिल्म दो दीवाने सेहर में के साथ एक नए अंदाज़ में नजर आने वाले हैं। मृणाल ठाकुर के साथ एक रोमांटिक किरदार निभा रहे सिद्धांत इस फिल्म में एक सॉफ्ट और भावनात्मक लवर-बॉय की भूमिका में दिखेंगे। हाल ही में सिद्धांत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, क्या यह वक़्ती जरूरत है या सिर्फ़ मेरी सोच? रोमांटिक कॉमेडी फ़िल्मों को वापस ला रहे हैं।

फिलहाल उनके इस कैप्शन ने फैंस के बीच यह चर्चा शुरू कर दी कि क्या रोमांटिक फिल्मों का दौर फिर से लौट रहा है। हालांकि सोशल मीडिया पर शेयर किए गए सिद्धांत के पोस्ट के साथ तस्वीरों से साफ है कि फिल्म एक हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी होगी। यही वजह है कि कई दर्शकों ने सिद्धांत की इस बात से सहमति जताते हुए फील-गुड रोमांटिक फिल्मों की वापसी का स्वागत किया है।

तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मजबूत कड़ी है

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में लगातार अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। अभिनय के साथ-साथ एक सफल उद्यमी के तौर पर भी अपनी पहचान रखने वाली पारुल अब थ्रिलर फिल्म तू या मैं में नजर आएंगी। उन्होंने हाल ही में इस फिल्म और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की है और इसे अपने करियर का एक बेहद खास मौका बताया। फिल्म तू या मैं में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं, जिनकी फिल्मों की पहचान भावनाओं, रिश्तों और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए रही है। इस फिल्म में पारुल लायरा नाम का किरदार निभा रही हैं, जो शनाया कपूर के किरदार की करीबी दोस्त और मैनेजर है। फिल्म का हिस्सा बनने पर पारुल ने कहा, आनंद एल राय का सिनेमा मुझे हमेशा से आकर्षित करता रहा है। फिल्म की कहानी नाटकीय होने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से शानदार है और दर्शकों को भीतर तक छू जाएगी। पारुल ने अपने किरदार को लेकर बताया, मेरा किरदार लायरा सिर्फ एक दोस्त नहीं है बल्कि एक ऐसा इंसान है जो हर मुश्किल में साथ खड़ी रहती है, सही सवाल पूछती है, जरूरत पड़ने पर टोकती भी है और बिना शर्त समर्थन करती है। मैं इस किरदार को निभाकर बेहद खुश हूं और अभी भी इस एहसास में डूबी हुई हूं कि मुझे इतना अहम रोल निभाने का मौका मिला है।

पारुल ने कहा, लायरा कोई साधारण या साइड कैरेक्टर नहीं है, बल्कि कहानी की भावनात्मक रीढ़ है। यह किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी खास है क्योंकि मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती थी जिनमें किरदारों की गहराई हो और कहानी दिल से जुड़ी हो। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। आनंद एल राय के साथ काम करने के अनुभव को लेकर पारुल गुलाटी ने कहा, एक कलाकार और एक क्रिएटर के तौर पर इससे बेहतर सहयोग शायद मुझे कभी नहीं मिल सकता था।

लंबे समय बाद रियलिटी टीवी में लौटे सिद्धार्थ भारद्वाज, द 50 को हां कहने का बताया कारण

रियलिटी टीवी का जादू हमेशा से ही दर्शकों को अपनी ओर खींचता आया है। कई सितारे इन शो के जरिए अपनी पहचान बनाते हैं, जबकि कुछ दर्शकों की नजरों में लंबे समय तक बने रहते हैं। सिद्धार्थ भारद्वाज भी ऐसे ही सितारों में से एक हैं। उन्होंने स्प्लिट्सविला 2, बिग बॉस 5, और रोडीज जैसे शो में हिस्सा लिया और अपने दमदार व्यक्तित्व से लोगों को प्रभावित किया। लंबे समय तक रियलिटी टीवी से दूर रहने के बाद अब सिद्धार्थ एक नए और अनोखे शो द 50 के जरिए फिर से लौट रहे हैं। इस कड़ी में दिए इंटरव्यू के दौरान सिद्धार्थ ने खुलासा किया कि आखिर उन्होंने क्यों रियलिटी शोज से दूरी बनाई और द 50 के लिए क्यों हां की। सिद्धार्थ ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मुझे द 50 की अनोखी शैली काफी पसंद आई। ऐसा शो भारत में कभी नहीं हुआ और इसका फॉर्मेट थोड़ा उथल-पुथल वाला है। मुझे ऐसे माहौल में काम करना बेहद पसंद है, जहां अप्रत्याशित परिस्थितियां हों और सब कुछ चुनौतीपूर्ण हो। यही कारण है कि मैंने लंबे समय के बाद यह शो चुनने का फैसला किया। द 50 का माहौल बिग बॉस और स्प्लिट्सविला जैसा लगता है, जहां रणनीति और गठजोड़ महत्वपूर्ण होते हैं।

सिद्धार्थ ने अपने रियलिटी टीवी सफर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं उन कुछ कंटेस्टेंट्स में से हूं, जिन्होंने बिग बॉस, स्प्लिट्सविला, और रोडीज के सबसे शुरुआती और असली दौर का अनुभव किया। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति में शांत रहना और समझदारी से काम लेना कितना जरूरी है। सिर्फ भीड़ का हिस्सा बनकर झगड़ा करना या जल्दबाजी में निर्णय लेना सही नहीं होता। इस सफर में मैंने कई गलतियां भी कीं, लेकिन उनसे सीख लेकर आगे बढ़ा। बिग बॉस 5 के बाद सिद्धार्थ ने रियलिटी टीवी से दूरी बनाए रखी, इस बीच वह फियर फैक्टर में नजर आए। सिद्धार्थ ने कहा, टीवी या ओटीटी पर कोई ऐसा शो आया ही नहीं, जो मेरे पिछले शो जितना बड़ा या चुनौतीपूर्ण हो। मैं छोटे प्रोजेक्ट्स करने से बचा, लेकिन मैंने एक्टिंग पर ध्यान दिया और वेब सीरीज और फिल्मों में काम किया। मेरा मकसद था कि लोग मुझे सिर्फ रियलिटी शो के लिए टाइपकास्ट न करें। मैं अपनी स्किल को भी निखार सकूं।

आज के मीम कल्चर में रियलिटी शो की कोई भी घटना तुरंत वायरल हो सकती है। सिद्धार्थ ने इस पर भी अपनी राय दी। दरअसल, हाल ही में बिग बॉस 5 की कंटेस्टेंट रह चुकीं पूजा मिश्रा और सोनाली नागरानी की लड़ाई का एक विलप वायरल हुआ था। इसे बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने अपनी मेकअप आर्टिस्ट के साथ रीक्रिएट किया था। मीम कल्चर को लेकर सिद्धार्थ ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं अपने पुराने शो के बारे में ज्यादा नहीं सोचता, बल्कि एक पेशेवर की तरह हर नए प्रोजेक्ट पर ध्यान देता हूं और आगे बढ़ता हूं।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट

नगर निगम सफाई कर्मियों व मेडिकल कॉलेज कर्मियों के भुगतान, चिटफंड पीड़ितों को न्याय की मांग

वेतन, श्रम सम्मान निधि और चिटफंड घोटाले को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम व शहर से जुड़े गंभीर व संवेदनशील समस्याओं को लेकर जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर के नाम एडीएम सीएल मारकंडे को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के माध्यम से नगर निगम के सफाई कमर्चारियों का लंबित वेतन, मेडिकल कालेज के दैनिक वेतन भोगी कमर्चारियों की श्रम सम्मान निधि और चिटफंड कंपनी द्वारा की गई ठगी के मामलों को प्रमुखता से उठाया गया।

जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि नगर निगम के नियमित व मस्टररोल सफाई कमर्चारियों को विगत दो माह से वेतन नहीं मिला है। आर्थिक रूप से कमजोर सैकड़ों परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने मांग की कि इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर वेतन भुगतान की व्यवस्था की जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि मेडिकल कालेज अस्पताल के दैनिक वेतन भोगी कमर्चारियों को विगत 11 माह से श्रम सम्मान निधि का भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा चिटफंड कंपनी एव्हीएम रियल स्टेट एंड एलाइड लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल साहू की चल-अचल संपत्ति और बैंक खातों की जांच कर उन्हें कुर्क किया जाए तथा प्रभावित निवेशकों को उनकी राशि वापस दिलाए जाने की मांग की गई।

इस अवसर पर जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि स्थानीय विधायक डॉ रमन सिंह के निर्वाचन क्षेत्र में नगर निगम के सफाई कमर्चारियों की ये स्थिति है उन्हें वेतन नहीं मिल पा रहा। ट्रिपल इंजन की सरकार में दैवेभो कमियों की श्रम सम्मान निधि रोकी जा रही है। डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्री कायर्काल में हजारों ग्रामीण चिटफंड में ठगे गए और आज तक वे अपनी बचत वापस पाने संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा सरकार ने उनके लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगी और जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा।

इस दौरान रुपेश दुबे, कमलजीत सिंह पिंटू, सूयर्कांत जैन, एनी माखिजा, अशोक पंजवानी, विनय झा, राजेश चंपू गुप्ता, मनीष गौतम, डॉ अरुण देवांगन, मोहनीश धनकर, शुभम पांडे, मोहम्मद इब्राहिम, राजिक सोलंकी, नितिन बत्रा, कुलदीप कुरंजेकर, आफताब अहमद, अभिमन्यु मिश्रा, जय जयसवाल, खूबचंद यादव, विष्णु सिन्हा, कादिर कुरैशी, वीरेंद्र चंद्राकर, राकेश चंद्राकर, गजेंद्र सिंह राजपूत, देवेश वैष्णव, लक्की चंद्राकर, आशीष साहू, राजा यादव, नरेश साहू, चंपा चंद्राकर, चेतन चंद्राकर, नीलेश ठावरे, शैलेष साहू, , गोलू नायक, आशीष साहू, शेखर मालेकर, नीशू गुप्ता, बाबा राठौर, कृष्णा भारती, नरेन्द्र भारती, चेतन चंद्राकर, हेमचंद यादव, तेजराम साहू, नीतेश मारकंडे, देवचंद डिंडे, कमलेश साहू, रिषभ निर्मलकर, चुम्मन निषाद, निलेश ठावरे, शैलेश ठावरे, राजा यादव, सीताराम निषाद, मानसिंग साहू, शेख आशिफ, चैतराम साहू सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

खास खबर

भिलाई स्टील हाफ मैराथन में रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि कल

भिलाई। 8 फरवरी 2026 को स्वास्थ्य, उत्साह और सामुदायिक भावना के भव्य उत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। शहीद वीर नारायण सिंह जयंती स्टेडियम में आयोजित होने वाली ह्लभिलाई स्टील झ हाफ मैराथनह्व के लिए प्रातः 6:00 बजे से औपचारिक फ्लैग-ऑफ निर्धारित है। लगभग 1500 ऊर्जावान धावक स्वास्थ्य और फिटनेस को जीवनशैली बनाने के संकल्प के साथ इस आयोजन में भाग लेंगे।

इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए पंजीकरण आधिकारिक पोर्टल https://www.bhilaisteelhalfmarathon.com के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। भिलाई स्टील हाफ मैराथन का उद्देश्य संयंत्र कमियों, भारतीय नागरिकों एवं युवाओं में स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन एथलेटिक्स एवं लंबी दूरी की दौड़ में भागीदारी को बढ़ावा देते हुए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। कुल 8,00,000 रुपये की आकर्षक नगद पुरस्कार राशि विभिन्न वर्गों में प्रदान की जाएगी। 21.09 किलोमीटर की हाफ मैराथन ओपन श्रेणी में पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए 18-45 वर्ष तथा 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर दौड़ पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए समान आयु वर्गों में आयोजित होगी। न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है, जिससे युवा प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा। दौड़ मार्ग का सुविचारित निर्धारण किया गया है, जिसमें फॉरेस्ट एवेन्यू, जवाहर उद्यान चौक, बोरिया गेट चौक, पावर हाउस स्टेशन चौक, सुपेला चौक, सेक्टर-9 हॉस्पिटल चौक, तालपुरी चौक सहित अन्य प्रमुख स्थलों को शामिल किया गया है। सभी दौड़ पुनः जयंती स्टेडियम में समाप्त होंगी।

दौड़ प्रारंभ होने से एक घंटे पूर्व मार्ग की बैरिकेडिंग एवं क्लियरेंस सुनिश्चित की जाएगी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र सामूहिक रूप से सभी नागरिकों, धावकों और युवाओं से आह्वान करता है कि वे 8 फरवरी 2026 को भिलाई की सड़कों को साहस, संकल्प और स्वास्थ्य के उत्सव में परिवर्तित करें। आइए, भिलाई एक साथ दौड़े – स्वास्थ्य के लिए, समाज के लिए और गौरव के लिए। आज ही पंजीकरण करें। गर्व के साथ दौड़ें। भिलाई के लिए दौड़ें।

भिलाई नगर ने सेवा, समरसता और संस्कारों का उत्सव एक बार फिर जिया

"THANK YOU BHILAI" कार्यक्रम अत्यंत भव्य, भावनात्मक और ऐतिहासिक रूप से सफल रहा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई की स्थापना की स्मृति में शपथ फाउंडेशन, भिलाई द्वारा आयोजित "THANK YOU BHILAI" कार्यक्रम इस वर्ष अत्यंत भव्य, भावनात्मक एवं ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। मोनुमेंट पार्क, सिविक सेंटर में आयोजित इस आयोजन ने भिलाई की आत्मा, उसकी बहुसांस्कृतिक पहचान, सेवा-भावना और सामाजिक समरसता को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। यह आयोजन अपने 9 सफल वर्षों की यात्रा पूर्ण कर 10वें वर्ष में प्रवेश का साक्षी बना।

कार्यक्रम की शुरुआत धमर्गुरुओं की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। इसके पश्चात 'THANK YOU BHILAI' के प्रतीकात्मक कट-आउट के साथ गुब्बारे उड़ाकर आयोजन का शुभारंभ किया गया, जिसने भिलाई के प्रति कृतज्ञता, गर्व और भावनात्मक जुड़ाव को नई ऊँचाई प्रदान की। कार्यक्रम के अतिथि आई पी मिश्रा, राकेश पाण्डेय, श्रुति यादव, राजेश चौहान, ASP सुखनन्दन राठौड़ , परविन्द्र सिंह ,दिव्या भसीन ने दीप प्रज्वलन के साथ मंच औपचारिक रूप से आलोकित हुआ और संपूर्ण परिसर देशभक्ति, सेवा और सामाजिक चेतना के भाव से ओत-प्रोत हो गया।

इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 9 विभूतियों को 'भिलाई नवरत्न सम्मान' प्रदान किया गया। चिकित्सा, शिक्षा, साहित्य, समाजसेवा, कला-संस्कृति, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, खेल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सतत और प्रेरणादायी कार्य करने वाले इन नवरत्नों को सम्मानित कर भिलाई ने अपने सच्चे गौरव को नमन किया।

भिलाई नवरत्न सम्मान से सम्मानित विभूतियाँ

चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. प्रमोद विनायके, साहित्य में विनोद साव, शिक्षा में सुश्री के. शारदा, समाजसेवा में बंशी अग्रवाल, कला एवं संस्कृति में श्रीमती रितु वर्मा, उद्योग में जीतेन्द्र गुप्ता, महिला सशक्तिकरण में श्रीमती निधि चंद्राकर, खेल में दलजीत सिंह थिंड तथा पर्यावरण संरक्षण में मुकेश पांडे को यह सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में असाधारण योगदान देने वाले तीन विशिष्ट व्यक्तित्वों को 'विशिष्ट सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया। चतुर्भुज राठी को 'राम की रसोई' के माध्यम से निरंतर अन्नसेवा हेतु, श्रीमती दीक्षा नागदेवे को शिक्षा, सेवा एवं सोनू सूद चैरिटी क्लब के माध्यम से किए गए मानवीय कार्यों हेतु तथा भूपेंद्र नेमा को इठक के माध्यम से व्यापारिक एकता एवं सामाजिक सहभागिता को सशक्त करने हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का एक अत्यंत भावनात्मक एवं विशिष्ट पक्ष रहा 'समाज श्री सम्मान', जिसके अंतर्गत भिलाई में निवासरत विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समुदायों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष कुल 21 समाजों एवं संस्थाओं को समाज श्री सम्मान प्रदान किया गया, जिसने भिलाई की 'लघु भारत' पहचान और विविधता में एकता की संस्कृति को सशक्त रूप से मंच पर प्रस्तुत किया।

आयोजन के दौरान विकास जायसवाल के द्वारा 'हेरिटेज टॉक' तथा भिलाई से जुड़े प्रश्न-उत्तर सत्र ने दशर्कों को सक्रिय सहभागिता का अवसर दिया। सही उत्तर देने वाले नागरिकों को मंच से सम्मान एवं उपहार प्रदान किए गए, जिससे कार्यक्रम में जीवंतता और जनभागीदारी बनी रही। समापन सत्र से पूर्व उपस्थित जनसमूह को 'प्लास्टिक मुक्त भिलाई' का संकल्प दिलाया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। यह पहल स्वच्छ, हरित और जिम्मेदार भिलाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में सामने आई।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण शपथ फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक गुप्ता द्वारा दिया गया, जबकि संस्था के संरक्षक एवं पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपति द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। पूरे कार्यक्रम का प्रभावी एवं भावनात्मक मंच संचालन शपथ फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य विकास जायसवाल द्वारा किया गया, जिन्होंने संपूर्ण आयोजन को एक सूत्र में पिरोते हुए भिलाई की भावना को मंच से जीवंत किया साथ में गीतांजलि ने उनका साथ बखूबी निभया अंत में जितेन्द्र हासवनी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। आयोजन में प्रमुख लोगों में प्रभंजय चतुर्वेदी, राजेन्द्र प्रसाद, पी टी उल्लास, दिनेश लोहिया, रजनी रजक, आयोजन को सफल एवं वृहद बनाने में मोहन राव जी, बी. पोलमा दीदी, अशोक साहू , हनी अंबेड , आशु महाजन, रश्मि सागर की विशेष भूमिका रही। साथ ही सहित संस्था के अनेक सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने अग्रणी भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने भिलाई की जनता, विभिन्न सामाजिक संगठनों, सम्मानित अतिथियों, धमर्गुरुओं, कलाकारों, स्वयंसेवकों एवं प्रशासनिक सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "THANK YOU BHILAI" केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भिलाई के प्रति प्रेम, सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व की जीवंत अभिव्यक्ति है।

हर समाज की आवाज बन कर जननेता के रूप में उभर रहे इंद्रजीत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुन रहे जनता की समस्याएं

कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति कार्यालय में प्रतिदिन क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भेंट कर इंद्रजीत सिंह जनता की समस्याएं सुन रहे हैं। जन-दर्शन की तर्ज पर वे आम नागरिकों से सीधा संवाद कर त्वरित समाधान का प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि श्री सिंह हमेशा जनता के बीच उपलब्ध रहते हैं, यही कारण है कि लोग बिना झिझक अपनी समस्याएं उनके सामने रखते हैं।

राजनीतिक हलकों में बढ़ती चर्चा

लगातार जनसंपर्क, सामाजिक सक्रियता और जनता के प्रति संवेदनशीलता के चलते राजनीतिक गलियारों में भी इंद्रजीत सिंह छोटू को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोग उन्हें एक उभरते हुए जन-नेता के रूप में देखने लगे हैं, जो जमीन से जुड़कर राजनीति करना चाहता है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि इसी तरह वे जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, तो आने वाले समय में वे क्षेत्र की राजनीति में मजबूत भूमिका निभा सकते हैं।

शहर की सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में इन दिनों हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' की सक्रिय भूमिका लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। वे न सिर्फ हर वर्ग की समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं, बल्कि समाधान के लिए स्वयं पहल करते नजर आ रहे हैं।

कुरूद स्थित ढांचा भवन में आयोजित स्थानीय बहनों की आवश्यक बैठक में शामिल होकर श्री सिंह ने महिला स्वावलंबन से जुड़े मुद्दों पर बहनों की बात को गंभीरता से सुना। महिलाओं ने रोजगार, प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता को लेकर अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं, जिस पर श्री सिंह ने हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन देने का भरोसा दिलाया।

दशहरा मैदान, संजय नगर में आयोजित श्रीराम कप क्रिकेट प्रतियोगिता में पहुंचकर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और युवाओं को खेल के माध्यम से आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मोनू सिंह, मिथिलेश गिरी, मुकेश गिरी, दिनेश सिंह, महासचिव मलकीत सिंह, रणजीत सिंह सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

चाहे महिलाएं हों, युवा हों, वरिष्ठ नागरिक हों या सामाजिक संगठन– इंद्रजीत सिंह 'छोटू' हर वर्ग की चिंता करते नजर आ रहे हैं। शहर के लगभग हर महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि वे समाज से सीधे जुड़कर काम करना चाहते हैं।

निकेत ताम्रकार लगातार तीसरी बार बने धमधा ब्लॉक छग श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

धमधा ब्लॉक के छ ग श्रमजीवी पत्रकार संघ के गठन को लेकर जिला स्तर पर आयोजित बैठक में संगठन की एकजुटता और लोकतांत्रिक परंपरा का उदाहरण देखने को मिला। जिला स्तर पर सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के तहत निकेत ताम्रकार को लगातार तीसरी बार धमधा ब्लॉक पत्रकार संघ का अध्यक्ष चुना गया। जिला अध्यक्ष ललित साहू सहित सभी सदस्यों ने मिल कर चयन प्रक्रिया किया। इस दौरान सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने एकमत होकर उनके नाम का समर्थन किया। सदस्यों ने कहा कि निकेत ताम्रकार ने अपने पिछले दो कायर्कालों में न सिर्फ पत्रकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाया, बल्कि संगठन को सक्रिय, अनुशासित और जनहित से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया।

बैठक में निकेत ताम्रकार के नेतृत्व में धमधा ब्लॉक पत्रकार संघ द्वारा सड़क सुरक्षा, जन-जागरूकता, वृक्षारोपण और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में निभाई गई भूमिका की भी प्रशंसा की गई।

अपने पुनः चयन पर निकेत ताम्रकार ने प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अवस्थी और जिला अध्यक्ष ललित साहू का आभार करते हुए जिले एवं धमधा ब्लॉक के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि आगामी कायर्काल में पत्रकारों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए संघ और अधिक मजबूती से काम करेगा।

बहुप्रतिक्षित कार्रवाई आमदी नगर हुडको सेक्टर में नगर पालिका निगम भिलाई आयुक्त के आदेश पर निगम की सख़्त कार्रवाई

20 साल बाद टूटा अतिक्रमण का किला, 40 फीट चौड़ी सड़क हुई मुक्त

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिस अतिक्रमण को हटाने में बीते बीस वर्षों में कोई भी प्रशासन सफल नहीं हो पाया, वह अब संभव हो सका है। आमदी नगर हुडको सेक्टर के मुख्य मार्ग को नगर पालिका निगम भिलाई के जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग द्वारा अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है। कलेक्टर के स्पष्ट आदेश के बाद की गई इस कार्रवाई से न सिर्फ सड़क पर आवागमन सुचारू हुआ है, बल्कि वर्षों से परेशान रहवासियों ने भी राहत की सांस ली है।

मुख्य मार्ग पर रहने वाले कई आवास धारकों ने एक-दूसरे की देखा-देखी बाउंड्री वॉल से आगे शेड लगाकर अवैध कब्जा कर लिया था। वहीं, घरों में दुकान संचालित करने वाले दुकानदारों ने भी मनमाने ढंग से शेड बनाकर सड़क को संकरा कर दिया था। इसके चलते पैदल चलने वालों, दुपहिया और चारपहिया वाहनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय लोगों द्वारा वर्षों से लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही थीं, लेकिन अब तक निगम प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी।

वास्तविकता यह है कि वर्ष 2008 से पूर्व हुडको सेक्टर भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के अधीन था। बीएसपी द्वारा ही इस सेक्टर का नियोजित विकास किया गया था और अन्य टाउनशिप सेक्टरों की तरह यहां भी मुख्य मार्ग के दोनों ओर पर्याप्त खुली जगह छोड़ी गई थी। उस समय मुख्य सड़क लगभग 30 फीट चौड़ी थी, जिसे बाद के वर्षों में अतिक्रमण कर धीरे-धीरे संकुचित कर दिया गया। वर्ष 2008 के बाद अवैध कब्जों में तेजी से वृद्धि हुई और देखते ही देखते सड़क अतिक्रमण की चपेट में आ गई।

चूंकि हुडको की भूमि नजूल श्रेणी की है और क्षेत्र में नगरीय सुविधाएं नगर पालिका निगम भिलाई द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं, इसलिए भूमि की स्थिति को लेकर लंबे समय तक कार्रवाई टलती रही। इसी का फायदा उठाकर अतिक्रमणकारी बेखौफ होते चले गए। हालांकि कलेक्टर के निर्देश के बाद निगम प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के लिए बाध्य होना पड़ा और जोन क्रमांक 5 के राजस्व विभाग ने सख़्ती के साथ कार्रवाई शुरू की।

निगम द्वारा एक दिन में की गई बेदखली कार्रवाई के बाद प्रतिदिन ध्वनि विस्तारक यंत्र से मुनादी कराई जा रही है। इसका असर यह हुआ कि करीब 90 प्रतिशत लोगों ने स्वयं ही अपने अवैध कब्जे हटा लिए। अब बीएसपी द्वारा छोड़ी गई लगभग 40 फीट चौड़ी सड़क पूरी तरह साफ दिखाई दे रही है, जिससे क्षेत्र की तस्वीर ही बदल गई है।

जो रहवासी शुरू से ही नियमों का पालन करते हुए बिना किसी अतिक्रमण के रह रहे थे, उन्होंने निगम प्रशासन की इस पहल का खुलकर स्वागत किया है। स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका निगम भिलाई के आयुक्त की सजगता और पारदर्शी कार्यवाही की सराहना करते हुए मांग की है कि भविष्य में भी इसी तरह नियमित रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाए, ताकि दोबारा अवैध कब्जे न पनप सकें।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।